राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,13फरवरी-2023 वर्ष-6,अंक-21 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत जोड़ो यात्रा छोड़ने वाले थे राहुल गांधी, कांग्रेस नेता ने किया खुलासा

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई और 30 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में खत्म हुई। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा सफलतापूर्वक खत्म हो गई है। इसे लेकर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने खुलासा किया है

कि शुरुआत में यह बहुत आसान नहीं थी, क्योंकि यात्रा के तीसरे दिन जब यात्रा केरल में थी। राहुल गांधी को घुटने में जबरदस्त दर्द हुआ। दर्द इतना ज्यादा था कि राहुल ने उनके बिना यात्रा जारी रखने का सुझाव दिया। न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार, वेणुगोपाल ने कहा कि राहुल गांधी के घुटनों में दर्द की बात पता चलते ही प्रियंका गांधी का भी फोन आया। उन्होंने अन्य वरिष्ठ नेताओं को अभियान सौंपने का सुझाव देने के बारे में भी सोचा, लेकिन राहुल गांधी के बिना इस यात्रा की कल्पना नहीं की जा सकती थी।

राहुल ने भी किया था घुटने में दर्द का जिक्र

कांग्रेस नेता ने कहा कि इसके बाद राहुल गांधी की ओर से सुझाए गए एक फिजियोथेरेपिस्ट यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने राहुल का इलाज किया और उनका दर्द धीरे-धीरे ठीक हो गया। राहुल गांधी ने खुद केरल में अपने घुटने की समस्या के बारे में पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत के दौरान जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि जब भी उन्हें यह मुश्किल होती है तो वह पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता का सहारा लेते हैं।

146 दिनों तक चली भारत जोड़ो यात्रा

भारत जोड़ो यात्रा ने 75 जिलों, 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 146 दिनों में 4,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की, जिसमें राहुल गांधी यात्रा बंद होने के अलावा हर दिन पैदल चलते थे। इनमें तमिलनाडु के कन्याकुमारी से केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, यूपी, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं।

दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर यज्ञ

महिला सशक्तिकरण के लिए स्वामीजी ने आवाज उठाई-पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान वह यज्ञ में भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय स्वामीजी ने महिला सशक्तिकरण के लिए आवाज उठाई थी और छुआछूत के खिलाफ लड़े थे।

पीएम ने कहा- यह अवसर ऐतिहासिक है और भविष्य के इतिहास को निर्मित करने का है। यह पूरे विश्व के मानवता के भविष्य के लिए प्रेरणा का फल है। स्वामी दयानंद जी और उनका आदर्श था कि हम पूरे विश्व को श्रेष्ठ बनाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, अर्जुन राम मेघवाल और मीनाक्षी लेखी भी मौजूद हैं।

पीएम ने कहा- जब महर्षि दयानंद का

पीएम ने कहा- यह अवसर ऐतिहासिक है और भविष्य के इतिहास को निर्मित करने का है। यह पूरे विश्व के मानवता के भविष्य के लिए प्रेरणा का फल है। स्वामी दयानंद जी और उनका आदर्श था कि हम पूरे विश्व को श्रेष्ठ बनाएं।

जन्म हुआ था तब देश सदियों की गुलामी से कमजोर पड़ कर अपनी आभा, तेज, आत्मविश्वास सब कुछ खोता चला जा रहा था। प्रति क्षण हमारे संस्कार, आदर्श को चूर-चूर करने का प्रयास होता था।

उन्होंने कहा- महर्षि ने सामाजिक भेदभाव और छुआछूत जैसी समाज की कुरीतियों के खिलाफ अभियान शुरू किया। हमारे इतिहास और परम्पराओं को दूषित करने का प्रयास किया गया। उसी समय महर्षि दयानंद जी के प्रयास समाज में संजीवनी के रूप में प्रकट हुए और उनका कायाकल्प किया।

आर्य समाज के संस्थापक था महर्षि दयानंद सरस्वती

महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी 1824 को हुआ था। वह एक समाज सुधारक थे, जिन्होंने सामाजिक असमानताओं को दूर करने के लिए 1875 में आर्य समाज की स्थापना की थी। आर्य समाज ने सामाजिक सुधारों और शिक्षा पर जोर देकर देश की सांस्कृतिक एवं सामाजिक जागृति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने लोगों को संदेश दिया कि वेदों की ओर लौटो अर्थात् उनका मानना था कि वेदों में ही जीवन की सत्यता है। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश नाम की किताब भी लिखी है।

देवघर मुठभेड़ दो जवान शहीद, बाल-बाल बचे थानेदार

देवघर (झारखंड)। देवघर नगर थाना क्षेत्र स्थित श्याम गंज रोड अंडा पट्टी मोहल्ले में शनिवार देररात 12:30 बजे पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में मछली व्यवसाई सुधाकर झा की सुरक्षा में तैनात दो पुलिस जवान शहीद हो गए। यह मुठभेड़ नगर थाने से 500 मीटर की दूरी पर हुई है। शहीद जवान साहिबगंज जिले के रहने वाले रवि कुमार मिश्रा और संतोष यादव हैं। सूचना पाकर नगर थाना प्रभारी केके साहू कुशवाहा जवानों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान अपराधियों ने थाना प्रभारी की गाड़ी पर भी फायरिंग की। इस घटना में थाना प्रभारी भी बाल-बाल बच गए। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना में एक अपराधी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर एसपी सुभाष चंद्र जाट, एसडीपीओ पवन कुमार समेत कई पुलिस अधिकारी भी पहुंचे। गिरफ्तार किए गए दोनों अपराधियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों ने सुधाकर झा पर हमला किया। उनकी सुरक्षा पर तैनात दोनों पुलिस जवानों से अपराधियों की मुठभेड़ हुई। इसी दौरान गोली लगने से

दोनों पुलिस जवानों की मौत हो गई। मुठभेड़ के दौरान तलवारें भी चलीं। कुछ दिन पहले सुधाकर झा के मुंशी पर भी जानलेवा हमला हुआ था। इसके बाद उन्होंने एसपी से सुरक्षा की मांग की थी। तब दो पुलिस जवानों को उनकी सुरक्षा के लिए नियुक्त किया गया था। इस घटना में तलवारबाजी से सुधाकर झा भी घायल हुए हैं। दोनों पुलिस जवान शहीद होकर मछली व्यवसाई सुधाकर झा की जान बचाने में सफल रहे।

रमेश बैस बने महाराष्ट्र के नए राज्यपाल, बिहार-झारखंड सहित 13 राज्यों के गवर्नर बदले

नई दिल्ली। तमिलनाडु के वरिष्ठ भाजपा नेता सीपी राधाकृष्णन को झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं, अयोध्या केस की सुनवाई करने और फैसला सुनाने वाली पीठ के हिस्सा रहे जज (रिटायर) अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का गवर्नर बनाया गया है। इसके अलावा और भी कई राज्यों के गवर्नर बदले गए हैं। भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और लद्दाख के उपराज्यपाल राधा कृष्णन माथुर के इस्तीफे को स्वीकार करते हुए बड़े पैमाने पर नए राज्यपालों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। बिहार, झारखंड सहित 13 राज्यों के गवर्नर बदले गए हैं।

इन 13 राज्यों को मिला नया राज्यपाल

1- लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर) कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक को अरुणाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है।

2- लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सिक्किम का राज्यपाल बनाया गया है।

3- सीपी. राधाकृष्णन को झारखंड का नया राज्यपाल बनाया गया है।

4- शिव प्रताप शुक्ल को हिमाचल प्रदेश का नया गवर्नर बनाया गया है।

5- गुलाब चंद कटारिया को असम का गवर्नर नियुक्त किया गया है।

6- अयोध्या केस का फैसला सुनाने वाली पीठ का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति (रिटायर) एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है।

7- आंध्र प्रदेश के राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

8- छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुइया उइके को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

9- मणिपुर के राज्यपाल ला गणेशन को नागालैंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

10- बिहार के राज्यपाल फागू चौहान को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

11- हिमाचल प्रदेश के राज्यपालराजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

12- झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

13- ब्रिगेडियर बीडी. मिश्रा (रिटायर) को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है।

'योगी भगवा पहनते हैं, मुसलमान हिजाब क्यों नहीं पहन सकता?' सीपीएम सांसद का तंज

नई दिल्ली। हिजाब को लेकर हाल ही में संसद में भी चर्चा शुरू हो गई है। सीपीएम सांसद ने राज्यसभा में सवाल उठाया कि मुस्लिम महिलाओं के हिजाब पहनने क्यों नहीं दिया जा रहा है? केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए सीपीएम सांसद जॉन ब्रिटास ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने संसद में कहा, ÷कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वे धर्मनिरपेक्षता बनाए रखने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में हिजाब की अनुमति नहीं दे रहे हैं। लेकिन भारत जैसे देश में कोई आपत्ति क्यों नहीं है, जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा भगवा रंग ही पहनते हैं? सीपीएम सांसद ने दावा किया कि हिजाब के मुद्दे पर भाजपा सरकार की हठ वास्तव में मुस्लिम महिलाओं को नुकसान पहुंचा रही है। अकेले कर्नाटक में एक लाख मुस्लिम छात्रों ने स्कूलों और कॉलेजों से पढ़ाई छोड़

दी है। सीपीएम सांसदों ने मांग की कि सरकार शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में मुसलमानों के पिछड़ेपन पर सच्चर समिति की रिपोर्ट को लागू करे।

हिजाब पर जारी है विवाद

पिछले साल कर्नाटक के सरकारी कॉलेजों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध को लेकर राज्य की राजनीति में उथल-पुथल मची थी। सरकारी प्रतिबंध को नजरअंदाज करते हुए राज्य के मुस्लिम छात्राएं हिजाब पहनकर स्कूल और कॉलेजों में प्रवेश करने की कोशिश करती नजर आई। अल्पसंख्यकों ने सड़कों पर उतरकर विरोध करना शुरू कर दिया।

इस्लाम बाहर से नहीं आया, हिन्दुस्तान ही उसकी जन्मभूमि- जमीयत चीफ का नया दावा

माहौल को शांत करने के आग्रह के बावजूद विरोध हिंसक हो गया। राज्य सरकार ने स्कूलों और कॉलेजों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने के दिशा-निर्देशों को लेकर बवाल सुप्रीम कोर्ट में जाता रहा और अब ये मसला संसद में भी उठाया जा रहा है।

भारत 2030 से पहले बन जाएगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, तमिलनाडु के राज्यपाल ने किया दावा

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था देश की सबसे बड़ी पांचवी अर्थव्यवस्था बन गई है। भारत ने यूनाइटेड किंगडम को पछाड़ दिया है जिससे वह विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी की ही अर्थव्यवस्था भारत से बड़ी है। इसी कड़ी में तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन रवि ने नया दावा किया है। उन्होंने कहा कि भारत 2030 से पहले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

भारत को लोगों की वजह से हम सबसे बड़ी पांचवी अर्थव्यवस्था

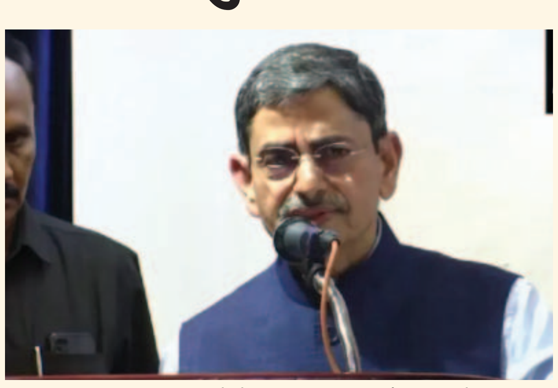

राज्यपाल आर एन रवि ने देश के विकास पथ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि आज भारत की दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी पांचवी अर्थव्यवस्था बना है तो यह लक्ष्य भारत के नागरिकों की वजह से हासिल हुआ है न कि भारत की सरकार के वजह से इसलिए यदि आज भारत सबसे बड़ी पांचवी अर्थव्यवस्था है तो इसका श्रेय यहां को लोगों को दिया जाता है।

2030 तक भारत की इकोनॉमी बन जाएगी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने शनिवार को कोयंबटूर में एक कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित किया। संबोधित करते हुए राज्यपाल रवि ने कहा कि अगर आज भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, तो यह सरकार की वजह से नहीं है। यह हमारे लोगों मेहनत की वजह से है। उन्होंने यह दावा किया है कि 2030 से पहले हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे।

2047 तक दुनिया की भारत की अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी होगी

राज्यपाल आर एन रवि ने यह भी कहा कि 2047 तक हम दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। हमें इसमें कोई संदेह नहीं है। यहां तक कि दुनिया को भी इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा कि देश सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है जबकि पूरी दुनिया मंदी से जूझ रही है। राज्यपाल रवि ने देश के बढ़ते डिजिटल इकोसिस्टम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल इंडिया आंदोलन ने एंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा दिया है। साथ ही उन्होंने हरित प्रौद्योगिकी और सतत प्रथाओं का लाभ उठाकर सतत विकास पर भी जोर दिया है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा सत्र बुधवार से होगा शुरू, राज्य वित्त मंत्री 15 फरवरी को करेंगी बजट पेश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की वित्त राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चंद्रिमा भट्टाचार्य 15 फरवरी को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्य का बजट पेश करने के लिए तैयार हैं। अब तक के संकेतों के अनुसार यह लगभग निश्चित है कि पश्चिम बंगाल 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए राज्य उत्पाद शुल्क संग्रह के अपने लक्ष्य को न केवल पूरा करेगा बल्कि इसे पार भी करेगा। 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के बजट अनुमानों के अनुसार, राज्य उत्पाद शुल्क संग्रह का लक्ष्य 16,500 करोड़ रुपये था और उत्पाद शुल्क विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार इस मद के तहत संग्रह 31 जनवरी 2023 तक 13,500 करोड़ रुपये को पार कर चुका है। वित्त विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी, जिन्होंने अपना नाम बताने से इनकार किया, ने कहा कि हम अब वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट अनुमानों में राज्य के उत्पाद शुल्क राजस्व संग्रह को बहुत अधिक निर्धारित कर सकते हैं, यह देखते हुए कि इस साल जनवरी में शराब की कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी। सवाल यह भी है कि जब राज्य सरकार उत्पाद शुल्क संग्रह के अपने लक्ष्य को पार कर लेगी, तो क्या राज्य सरकार राज्य के अपने कर राजस्व के अपने लक्षित संग्रह को प्राप्त कर पाएगी। 2022-23 के बजट अनुमान के अनुसार, राज्य सरकार ने राज्य कर राजस्व के रूप में 79,346 करोड़ रुपये एकत्र करने का लक्ष्य रखा है। आबकारी के अलावा, इस बार सरकारी खजाने के

लिए पर्याप्त धन प्राप्त करने का एक और प्रस्ताव है। राज्य सरकार पट्टे पर ली गई भूमि को स्वामित्व वाली भूमि में बदलने के लिए भूमि जोत कानूनों को बदलने की योजना बना रही है। नियमों में हुए बदलाव के अनुसार, राज्य सरकार लंबी अवधि की भूमि पट्टे पर देने वाली पार्टियों को उन क्षेत्रों में बाजार दरों पर उन्हें खरीदने का विकल्प देगी जहां भूमि स्थित है। एक अधिकारी ने बताया, आम तौर पर जब राज्य सरकार किसी पार्टी को जमीन लीज पर देती है तो लीज की रकम जमीन के बाजार भाव से काफी कम होती है। तो अब उसी जमीन को बाजार भाव पर बेचकर राज्य सरकार राजकोष के लिए पर्याप्त धन प्राप्त कर सकेगी जिसका उपयोग विभिन्न कल्याण और विकास परियोजनाओं के लिए किया जा सकता है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि बेशक यह सरकारी खजाने के लिए धन प्राप्त करने का एक प्रभावी तरीका है, लेकिन इससे राज्य सरकार को अपना कर राजस्व अर्जित करने या सुधारने में मदद नहीं मिलेगी। जमीन का एक टुकड़ा बेचकर राज्य सरकार को अपने खजाने के लिए एकमुश्त फंड मिलेगा। लेकिन यदि उसी भूमि का उपयोग एक बड़े उद्योग की स्थापना के लिए किया जा सकता है, तो उस उद्योग से उत्पन्न कर राजस्व साल-दर-साल होता। खर्च पूरा करने के लिए संपत्ति बेचना स्वस्थ अर्थशास्त्र नहीं है बल्कि आवर्ती राजस्व सृजन के लिए संपत्ति का उपयोग करना हमेशा लक्ष्य होना चाहिए। अर्थशास्त्र के प्रोफेसर शांतनु बसु ने कहा, वास्तव में ऐसा लगता है कि इस मामले में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की नीतियां समान हैं, जो नियमित सरकारी खर्च को पूरा करने के लिए राज्य की संपत्तियों को बेच रही हैं।

इस बीच, वित्त विभाग के सूत्रों ने कहा कि इस बार के बजट भाषण में स्टार्ट-अप और विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ नीतियों की घोषणा हो सकती है।

अर्थशास्त्री पीके मुखोपाध्याय के अनुसार स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करना राज्य सरकार की ओर से एक अच्छी पहल होगी, यह सही समय है कि विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों में बड़े-टिकट निवेश को आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। लेकिन विनिर्माण क्षेत्र के लिए आवश्यकता राज्य सरकार की भूमि नीति में बदलाव की है जहां वह उद्योग के लिए भूमि खरीद में राज्य की कोई भूमिका नहीं होने के अपने घोषित रुख से बाहर आ गई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पेंशन की फांस

पिछले दिनों गैर-भाजपा शासित राज्यों ने पुरानी पेंशन योजना को लागू करके जो राजनीतिक ब्रह्मास्त्र चलाया है, उससे केंद्र की भाजपा सरकार सांसत में है। आर्थिक सुधारों व वित्तीय संतुलन की कवायद के बीच पुरानी पेंशन के देशव्यापी बोझ से अर्थव्यवस्था के दबाव में आने की आशंका जाने-माने अर्थशास्त्री जता रहे हैं। पिछले दिनों हिमाचल के चुनाव में ओल्ड पेंशन बड़ा सियासी मुद्दा बना, भाजपा ने उसकी कीमत भी चुकाई। बताते हैं कि पेंशन योजना लागू होने से राज्य पर नई पेंशन के मुकाबले चार गुना वित्तीय बोझ बढ़ेगा। ऐसे में पहले ही कर्ज में डूबी सरकारें वित्तीय सुशासन स्थापित कर पाएंगी, इस बात में संदेह है। वहीं केंद्र की तरफ से कोई वित्तीय सहयोग की बात नहीं कही गई है। पिछले दिनों कांग्रेस शासित राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल व पंजाब सरकार ने पुरानी पेंशन योजना लागू की है। दरअसल, 18 साल पहले पुरानी पेंशन योजना को बदलकर नई पेंशन योजना को लागू किया गया। पुरानी पेंशन का निर्धारण मूल वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर होता था। जबकि नई पेंशन योजना हेतु कर्मचारी के वेतन से काटे गये अंश से ही पेंशन दी जाती है। उसकी कोई न्यूनतम सीमा नहीं होती है और सेवा अवधि कम होने पर यह थोड़ी रह जाती है। कर्मियों के वेतन से कटे पैसे का पचासी फीसदी सरकारी प्रतिभूतियों तथा बाकी पंद्रह फीसदी खुले बाजार में निवेश किया जाता है, जिसकी आय से कर्मियों को पेंशन का भुगतान होता है। निस्संदेह, जीवन भर नौकरी के जरिये सेवा करने वाले व्यक्ति को बुढ़ापे के लिये आर्थिक संरक्षण जरूरी है। ये लोककल्याणकारी सरकारों का दायित्व भी होता है। लेकिन लोककल्याण का मतलब ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि देश की हालत श्रीलंका व पाकिस्तान जैसी हो जाए। इस योजना से कर्मचारियों में उत्साह है और अन्य राज्यों में भी कर्मचारी संगठन इसे लागू करवाने के लिये दबाव बना रहे हैं। चिंता जताई जा रही है कि कहीं ये मुद्दा अगले आम चुनाव में भाजपा के लिये मुश्किलें पैदा न कर दे। वहीं दूसरी ओर देश के कई जाने-माने अर्थशास्त्री और योजना आयोग के पूर्व डिप्टी चेयरमैन मोंटेक सिंह अहलूवालिया ओल्ड पेंशन योजना को अव्यावहारिक व भविष्य में आर्थिक कंगाली लाने वाला बता चुके हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा कि इसका परिणाम यह होगा कि दस साल बाद वित्तीय अराजकता पैदा हो जाएगी। उनके बयान के बाद इस मुद्दे पर नये सिरे से बहस छिड़ गई है। कांग्रेस की मनमोहन सरकार के दौरान योजना आयोग के डिप्टी चेयरमैन रहे अहलूवालिया नब्बे के दशक के बाद के तीन दशकों में देश के आर्थिक सुधार कार्यक्रमों से गहरे तक जुड़े रहे हैं। वे लुभावनी राजनीति करने वाले नेताओं को चेता चुके हैं कि एक अर्थशास्त्री के नाते मैं कहूंगा वे ऐसे कदम उठाने से बचें जो भविष्य में वित्तीय तबाही के कारक बन सकते हैं। दरअसल, अर्थशास्त्री मानते हैं कि देश की जनता को जागरूक करने की जरूरत है कि इस फैसले की भविष्य में हमें कीमत चुकानी पड़ेगी और विकास के हिस्से का धन गैर-उत्पादक कार्यों में खर्च होगा। कर्मचारियों को तो इसका लाभ होगा, लेकिन देश का बड़ा तबका उसकी कीमत चुकाएगा। केंद्र सरकार पर इसको लागू करने का दबाव होगा, लेकिन साथ ही इसके दूसरे पक्ष को भी लोगों को समझना चाहिए। आर्थिक पंडितों का मानना है कि राजनीतिक तौर पर लिये गये गैरजिम्मेदार फैसले की कीमत आगे आने वाली पीढ़ी को चुकानी पड़ सकती है। सर्वविदित है कि पेंशन का मामला राज्य सरकारों के अधीन होता है।

आज का राशीफल

मेष	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।
वृषभ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
कन्या	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।ड्ड
तुला	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।
वृश्चिक	व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।
मकर	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।
कुम्भ	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।
मीन	जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

....पिताजी के लिए आर्थिक ढाल बन गई थी जब मां!

अचानक आए इस आर्थिक संकट में घरवालों ने भी उनका साथ छोड़ दिया,लेकिन मां प्रकाशवती ने अनपढ होते हुए भी सिलाई कढ़ाई में हरिद्वार से सन साठ के दशक में डिप्लोमा कर सिलाई का काम घर पर रहकर ही शुरू किया और पिताजी के लिए आर्थिक ढाल बन गई।तब जाकर हमारा पालन पोषण हो पाया।खुद्दार मां तीन साल तक न अपने मायके गई और न ही किसी से कोई आर्थिक सहायता स्वीकार की।तभी तो अपने जन्म से लेकर मृत्यु पर्यंत तक कोई भी अपने जन्मदाता को नही भूल सकता।हर नवजात की पहली दुनिया उसके मां बाप ही होते है।किशोर,युवा व बुजुर्ग होने पर भी व्यक्ति कभी माता पिता को नही भूल सकता।क्योंकि माता पिता के कदमों में ही स्वर्ग सा सुख होता है।

(मातृ पितृ पूजन दिवस पर विशेष/लेखक-डा.श्रीगोपाल नारसन)

बात उन दिनों की है जब मेरे पिताजी मदनलाल शर्मा पुलिस सेवा में हुआ करते थे।एक बार अपनी बुआ को ससुराल से लेकर आ रहे थे तो रिक्शा वाले ने उनसे कुछ अधिक किराया मांग लिया, जिसपर गुस्साए पिताजी ने उसे फटकारा तो बुआजी नाराज़ हो गई और घर आने पर पिताजी की पुलिस की नोकरी छुड़वाने की जिद करने लगी।घर मे बुआजी को सभी ने समझाया कि आगे से गलती नही करेंगे लेकिन वे नही मानी और पुलिस की नोकरी से इस्तीफा दिलवाकर ही शांत हुई।जिस कारण पिताजी को डाक विभाग में नोकरी मिलने तक तीन साल बेरोजगार रहना पड़ा। अचानक आए इस आर्थिक संकट में घरवालों ने भी उनका साथ छोड़ दिया,लेकिन मां प्रकाशवती ने अनपढ होते हुए भी सिलाई कढ़ाई में हरिद्वार से सन साठ के दशक में डिप्लोमा कर सिलाई का काम घर पर रहकर ही शुरू किया और पिताजी के लिए आर्थिक ढाल बन गई।तब जाकर हमारा पालन पोषण हो पाया।खुद्दार मां तीन साल तक न अपने मायके गई और न ही किसी से कोई आर्थिक सहायता स्वीकार की।तभी तो अपने जन्म से लेकर मृत्यु पर्यंत तक कोई भी अपने जन्मदाता को नही भूल सकता।हर नवजात की पहली दुनिया उसके मां बाप ही होते है।किशोर,युवा व बुजुर्ग होने पर भी व्यक्ति कभी माता पिता को नही भूल सकता।क्योंकि माता पिता के कदमों में ही स्वर्ग सा सुख होता है।इस स्वर्ग से सुख के छिन जाने का एहसास मुझे उस समय हुआ जब मेरे लौकिक माता पिता नही रहे।माता पिता के हमेशा के लिए चले जाने के बाद मेरे जीवन में जो उदासी व अवसाद आया था और लगा था जैसे माता पिता के चले जाने के बाद मेरी दुनिया सुनी हो गई थी।ऐसा इसी लिए लगा था क्योकि माता पिता के दिवगंत होने के बाद उनके कदमों में बसे स्वर्ग से सुख ने भी मेरा साथ छोड दिया था। मुझे अब न मां की गोद में सिर रखकर मां के ममत्व की अनुभूति हो पा रही थी, न ही पिता के प्रेम भरे हाथ मेरे सिर को सहलाने के लिए अब बचे थे। जिस कारण हमेशा के लिए अलविदा हो चुके माता पिता की देह से तो मैं हमेशा के लिए वंचित हो गया , परन्तु आत्म स्वरूप में माता पिता का चेहरा आज भी मेरी आंखों में बसा है और लगता है कि वे मुझे कदम कदम पर सन्मार्ग दिखा रहे है।इससे पूर्व मुझे शुरू शुरू में तो उठते बैठते चलते फिरते हर जगह मुझे माता पिता ही नजर आ रहे थे, जैसे वे ही मुझे जीवन की राह पर उगंली पकडकर ले जाना चाहते हो। और मै भी माता पिता के चेहरे और उनकी यादों के साथ उनके बताए उस सन्मार्ग पर चल पडा, जिस मार्ग पर ले चलने का उन्होने स्वपन बुना था। माता पिता की सेवा व उनके आदर्शो पर चलने की प्रेरणा ही मेरी सफलता का कारण बनी। लौकिक माता पिता के चले जाने के बाद मुझे परमपिता परमात्मा की रूहानी गोद का असीम सुख प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में राजयोग के माध्यम से मिला।इस राजयोग ने तो मेरे जीवन की दशा और दिशा ही बदल दी। मेरे लौकिक पिताजी श्री मदन लाल शर्मा मेरी मां प्रकाशवती से तीन साल पहले ही चल बसे थे। 13 फरवरी सन 2009 को 82 वर्ष की आयु में मेरे पिताजी श्री मदन लाल शर्मा दिवंगत हुए तो 82 वर्ष की आयु व 13 फरवरी को ही सन 2012 में मेरी लौकिक मां श्रीमति प्रकाश वती ने महाप्रयाण किया। मेरे पिताजी एक रहमदिल इंसान थे और उनमें मां जैसा ममत्व था। मां जब पढने के लिए कहती या फिर पढाई न करने को लेकर डांटती तो पिताजी मां के सामने ढाल बनकर खडे हो जाते और प्यार से कहते कोई बात नही ,धीरे धीरे पढ लेगें । कई बार तो मां जब घर पर नही होती और हम भाई बहन रात में मां के निर्देश पर देर रात तक पढ रहे होते तो पिताजी हमें कहते कि बस, बहुत पढाई कर ली। अब सो जाओं। मां के बीमार होने या फिर मायके जाने पर पिताजी अपने हाथ से खाना बनाकर हमें खिलाते थे। पिताजी हमारे लिए पिता के साथ साथ दुसरी मां की तरह थे।मेरी मां प्रकाशवती जो अपने जीवन में कभी स्कूल नही गई थी ,हमारी पढाई को लेकर इतनी सजग थी कि उन्होने हमे पढाने के लिए अपने जेवर तक बेच दिये थे। हम पढ सके और अच्छे नम्बरो से पास हो,इसके लिए मां हर रोज देर रात तक हमे पढने के लिए न सिर्फ कहती बल्कि स्वयं भी रात भर हमारे पास बैठी रहती और देखती रहती कि हम पढ रहे है या नही । उस जमाने में टेलीविजन नये नये आए थे। हमारे गांव नारसन कलां में सिर्फ एक या दो टेलीविजन ही थे।टेलीविजन पर हर रविवार को एक फीचर फिल्म आती थी और हर बुधवार को एक चित्रहार ।ये दोनों कार्यक्रम उस समय के टेलीविजन का प्रमुख आकर्षण था। हमारी इच्छा होती कि हम फिल्म और चित्रहार जरूर देखे परन्तु मां पढाई के कारण इसकी अनुमति नही देती थी। कई बार हमे बुरा भी लगता परन्तु जब हमारा रिजल्ट आता और हम पास होते तो गांव के लोग बोलते कि पास हम नही, हमारी मां हुई है। गांव के लोगो की यह बात सोलह आने सच थी। मां ने गरीबी के दिनों में भी कभी होंसला नही खोया ।मेरी मां प्रकाशवती सन 1942 के अंग्रेजों भारत छोड़ो जनआन्दोलन में तिरंगा फैहराते हुए शहीद हुए 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स की सगी छोटी बहन थी और जब उनके भाई यानि मेरे मामा शहीद हुए उस समय मां की उम्र केवल 14 वर्ष की थी। अगले ही वर्ष बेटे के गम में उनके माता पिता यानि मेरे नाना नानी के गुजर जाने से मां के जिम्मे मात्र 15 वर्ष की आयु में अपने परिवार का दायित्व आ गया था। उन कठिन दिनों में घर के दायित्व का एहसास व अनुभव से ही मां प्रकाशवती को वह ताकत मिली थी कि वे जीवन के हर मोड पर सफल रही और हमें भी कामयाब कर पायी। मां किसी भी बच्चे में कोई भेद नही करती थी।न्याय प्रिय मां ने कभी हमारी गलती को नही छिपाया और न कभी दूसरो पर झूठा दोषारोपण नही किया। साथ ही अगर अपनी कोई गलती होती तो सहजता से उसे स्वीकार कर लेना ही मां का स्वभाव था। जीवन पर्यन्त संयमी,शांत और सन्तुष्ट रही मां प्रकाशवती के अन्दर देशभक्ति का भाव कूट कूटकर भरा था।उन्हे अपने अमर शहीद भाई जगदीश प्रसाद वत्स के बलिदान के लिए एक बडे पत्र समूह द्वारा सम्मानित भी किया गया था। मां चाहती थी अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स की जीवनी उत्तराखंड के शिक्षा पाठयक्रम में शामिल हो, ताकि आने वाली पीढी देश के इस वीर शहीद से प्रेरित होकर देशभक्ति के मार्ग को अपना सके।मां का यह सपना आज तक पूरा नही हो सका है। आजादी के अमृत महोत्सव में भी अमर शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों की उपेक्षा बहुत खलती है।लेकिन माता पिता की एक अभिलाषा अवश्य पूरी हो गई है।शहीद जगदीश वत्स के भतीजे गुरूदत्त वत्स ने स्वयं संसाधन जुटाकर शहीद वत्स की प्रतिमा जगदीश प्रसाद स्मारक विद्यालय खजूरी अकबरपुर में लगवा कर एक बड़ा काम किया है।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

आधारभूत संरचना की मजबूती में ही बचाव

अभिषेक कुमार सिंह

तुर्की में आए विनाशकारी भूकंप ने साबित किया है कि प्राकृतिक आपदाओं के सामने इंसान बौना है, वहीं भूकंप को समय रहते पहले से जान लेने की जरूरत रेखांकित हुई ताकि विनाश को न्यूनतम किया जा सके। नीदरलैंड्स के शोधकर्ता फ्रैंक हूगरबीट्स की काफी चर्चा है, जिन्होंने इस भूकंप के आने से चार दिन पहले 3 फरवरी को ही एक ट्वीट में चेताया था कि दक्षिण-मध्य तुर्की, जॉर्डन, सीरिया और लेबनान में रिक्टर पैमाने पर 7.5 या इससे भी अधिक की ताकत वाला भूकंप जल्दी ही आ सकता है। दावा है कि सोलर सिस्टम जियोमैट्री सर्वे के शोधकर्ता हूगरबीट्स ने पिछले कुछ दिनों में पृथ्वी के अलग-अलग हिस्सों में हो रही भूगर्भीय गतिविधियों का अध्ययन कर यह सटीक अनुमान व्यक्त किया था।

हूगरबीट्स का कहना है कि वह अपने अध्ययन में ग्रहों की स्थिति पर ध्यान देते हैं, जिसके आधार पर भूकंपीय हलचलों को पढ़ा जा सकता है। कहा जा रहा है कि अगर उनकी भविष्यवाणी को गंभीरता से लिया जाता, तो इतने बड़े विनाश को टाला जा सकता है। लेकिन भूगर्भशास्त्री और भूकंपवेत्ता इस राय से इत्तेफाक नहीं रखते। उनका मानना है कि अभी विज्ञान इतना उन्नत नहीं हुआ है कि भूकंप को उसके आने से कई दिन पहले जान लिया जाए।

निस्संदेह, वैज्ञानिक तौर-तरीकों के आधार पर भी भूकंप को पहले से जानना मुश्किल है। धरती के भीतर चल रही भूगर्भीय प्रक्रियाओं की वजह से हर साल दस करोड़ छोटे-मोटे भूकंप दुनिया में आते हैं।

वैसे हर सेकेंड लगभग तीन भूकंप ग्लोब के किसी न किसी कोने पर सिस्मोग्रॉफ के जरिए अनुभव किए जाते हैं। इनमें से 98 फीसदी सागर तलों में आते हैं, इसलिए सतह पर महसूस ही नहीं होते। जो दो प्रतिशत जलजले सतह पर महसूस होते हैं, उनमें से भी करीब सौ भूकंप ही हर साल रिक्टर पैमाने पर दर्ज किए जाते हैं। इन्हीं कुछ दर्जन भूकंपों में बड़ा भारी विनाश छिपा रहता है। ऐसी भविष्यवाणी करने का मतलब अंधेरे में तीर चलाने जैसा है।

वैसे वैज्ञानिक कई विधियों से धरती के अंदर चल रही हलचलों की टोह लेने की कोशिश करते हैं। भूकंपवेत्ता धरती की भीतरी चट्टानी प्लेटों की चाल, अंदरूनी फॉल्ट लाइनों और ज्वालामुखियों से निकल रही गैसों के दबाव पर नजर रख कर भूकंप का पूर्वानुमान लगाने की कोशिश करते हैं। जापान और कैलिफोर्निया में जमीन के अंदर चट्टानों में ऐसे सेंसर लगाए गए हैं जो बड़ा भूकंप आने से ठीक 30 सेकेंड पहले इसकी चेतावनी जारी कर देते हैं। वर्ष 2005 में अमेरिका के जूलॉजिकल सर्वे विभाग ने तो इसके लिए बाकायदा एक वेबसाइट बनाई थी, जिसमें स्थान विशेष के धरातल में हो रहे बदलावों पर नजर रखकर हर घंटे भूकंप की संभावना वाले क्षेत्रों का अनुमान लगाकर वे स्थान नक्शों में चिन्हित किए जाते हैं, जहां भूकंप की कोई आशंका हो। इन जानकारियों और गणनाओं के लिए उस विभाग में एक बड़ा नेटवर्क बना रखा है।

हालांकि, अमेरिका से उलट हमारी सरकार ने वर्ष 2015 में लोकसभा में बताया था कि भारत ही नहीं, दुनिया में कहीं भी भूकंप की भविष्यवाणी के लिए कोई तकनीक या प्रौद्योगिकी का विकास नहीं हुआ है। इस दिशा में अभी दुनियाभर में काम चल रहा है। अभी अप्रत्यक्ष माध्यम के जरिये कुछ आकलन किए जाते हैं, जिनमें तापमान में वृद्धि, हवा में नमी, पानी की लहरों में बदलाव आदि शामिल हैं। वहीं पक्षियों के स्वभाव में परिवर्तन देखकर अनुमान का आकलन किया जा रहा है।

भारत में भी भूकंपों को लेकर चिंता है क्योंकि एक साल के अंदर दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तरी इलाकों में कम ताकत वाले कई भूकंप आ चुके हैं। पर्वतीय राज्यों-खास तौर से उत्तराखंड से लेकर एनसीआर की जमीन के भीतर बहुत अधिक खिंचाव की स्थिति पैदा होने की बात कही जाती है। देहरादून स्थित वाडिया इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने कई बार चेताया है कि हिमालय क्षेत्र में एक बड़ा भूकंप कभी भी आ सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि धरती के नीचे भारतीय प्लेट व यूरेशियन प्लेट के बीच टकराव बढ़ रहा है, जिससे वहां बड़े पैमाने पर ऊर्जा जमा हो गई है और वह कभी भी बड़े विस्फोट के साथ बाहर निकल सकती है जो बड़े भूकंप का कारण बनेगी। इन खतरों से निपटने के लिए संबंधित राज्यों में कारगर नीतियां बनायी जानी चाहिए।

वैसे भूकंप की ठीक-ठीक भविष्यवाणी संभव नहीं है। कई बार भविष्यवाणियां गलत साबित हुईं। करीब बारह साल पहले इटली के छह साइंटिस्टों और एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ इसलिए हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था क्योंकि वे छह अप्रैल, 2009 को इटली के ला-अकिला में आए भूकंप की भविष्यवाणी नहीं कर पाये। उस इलाके में निकल रही रेडॉन गैस की मात्रा के आधार पर इन साइंटिस्टों ने आश्वस्त किया था कि फिलहाल खतरा ऐसा नहीं है कि पूरे इलाके को खाली कराया जाए। पर उनके आश्वासन देने के अगले दिन वहां 6.3 की ताकत वाला बड़ा भूकंप आ गया, जिसमें 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई।

वैसे भूकंप से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है सतर्कता और बचाव के इंतजाम करना। जैसे, अल्जीरिया में ज्यादातर स्कूलों और रिहायशी इलाकों की इमारतें सीस्मिक बिल्डिंग कोड के तहत बनाई गई हैं। इसी तरह कनाडा का अपना राष्ट्रीय बिल्डिंग कोड है और वहां अस्पताल, स्कूल व अन्य सरकारी-रिहायशी इमारतें इसी के तहत बनाई जाती हैं। मध्य अमेरिका में सेंट्रल अमेरिका स्कूल रेट्रोफिटिंग प्रोग्राम के तहत स्कूलों की बिल्डिंग्स को खतरे से बचाने के लिए खास इंतजाम किए गये हैं। चिली के स्कूलों में बच्चों को साल में तीन बार भूकंप से बचने की ट्रेनिंग दी जाती है। इसके तहत बाकायदा मॉक ड्रिल भी होती है।

अडानी समूह के कंपनियों की जांच और सेबी

(लेखक - सनत जैन)

हिंडन बर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से अडानी समूह की कंपनियों को 100 अरब डालर से ज्यादा का नुकसान हो चुका है. यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सेबी से पूछा गया है कि उसने निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए क्या प्रावधान किये हैं। आगे निवेशकों की सुरक्षा के लिये और कौन से नियम बनाना जरुरी है। सेबी को जांच के लिए एक पैनल गठित करने की सलाह सुप्रीम कोर्ट ने दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सेबी से अभी तक की विस्तृत जानकारी मांगी है। जिसके कारण अब सेबी की मजबूरी हो गई है कि बिना किसी दबाव के सही और निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने जिस आधार पर जानकारी तलब की है, वह सुप्रीम कोर्ट के सामने रखे। बाजार नियामक (सेबी) को अडानी समूह के साथ निवेशकों के रिश्तो की जांच अडानी समूह की कंपनियों में किए गए निवेश, अडानी समूह की कंपनियों को हुए नुकसान, कंपनी द्वारा यदि सेबी के नियमों का पालन किया गया है या नहीं किया गया है, उसके बारे में रिपोर्ट देना है। अडानी समूह की कंपनियों में मारीशस स्थित ग्रेट इंटरनेशनल तस्कर फंड और आयुष्मत लिमिटेड के बीच संबंधों की जांच, एंकर इन्वेस्टर और संस्थापक समूह के बीच रिश्ते एवं शेयर बाजार के अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर सेबी के नियम और कानूनों की जानकारी सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत करना होगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सेबी को अब अडानी समूह की कंपनियों की विभिन्न स्तर पर जांच करना मजबूरी बन गया है। वैश्विक स्तर पर शेयरों और दस्तावेजों में अडानी समूह द्वारा हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार जो फर्जीवाड़ा किया गया है, उसके बारे में जांच करते हुए निवेशकों के हितों को किस तरीके से सुरक्षित किया जा सकता है। अब सेबी के लिए इसकी जांच एवं नियम बनाना जरूरी हो गया है। हिंडन बर्ग का आक्रमक तेवर अभी भी बना हुआ है। हिंडन बर्ग के ऊपर अडानी समूह और मीडिया ने जो आरोप लगाए जा रहे थे, उसके बारे में उसने अपना स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि हिंडनबर्ग कंपनी पर कभी भी कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। ना ही दुनिया के किसी भी देश में उनके खातों को कभी सीज किया गया है। उनकी कंपनी के खिलाफ किसी तरह की कोई जांच लंबित नहीं है। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों पर रिपोर्ट जारी करने पर कभी कोई रोक नहीं लगाई गई है। अडानी समूह और मीडिया के माध्यम से हिंडन बर्ग के ऊपर जो आरोप लगाए जा रहे थे। उसका पूरी तरह खंडन कर दिया गया है। इसके बाद अडानी समूह की परेशानियां कम होने के स्थान पर बढ़ती ही जा रही है। मार्गन स्टेनली, कैपिटल इंटरनेशनल ने अडानी समूह की फ्लैग कंपनियों की रैंकिंग को घटा दिया है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने अडनी समूह की चार कंपनियों की रैंकिंग को घटा दिया है। इन सब कारणों से सेबी के ऊपर भी जांच का दबाव बढ़ता जा रहा है। सेबी की जांच रिपोर्ट सारी दुनिया में देखी जाएगी। वै श्विक स्तर पर निवेश एवं व्यापार के कारण भारतीय कानून के साथ अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करना भी सभी के लिये जरुरी है। अडानी मामो को आसानी से दबाकर नहीं जा सकता है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार, सेबी, सुप्रीम कोर्ट एवं जांच ऐजें सियों की भू मिका महत्वपूर्ण हो गई है। सेबी और सुप्रीम कोर्ट दोनों की निष्पक्षता और न्याय को लेकर भारत की साख पर भी इसका परोक्ष असर होगा। अब देखना यह है कि सेबी और सुप्रीम कोर्ट किस तरह का रुख अपनाती हैं।

टाटा स्टील की सात अनुषंगियों का विलय अगले वित्त वर्ष हो सकता है सीईओ

नई दिल्ली । इस्पात उत्पादक कंपनी टाटा स्टील की सात अनुषंगी कंपनियों का विलय अगले वित्त वर्ष में पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में इस विलय प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। कंपनी मे अधिक तालमेल होने और लागत कम करने की मंशा से यह विलय किया जा रहा है। टाटा स्टील के निदेशक मंडल ने सितंबर 2022 में इसकी छह अनुषंगियों का कंपनी में विलय करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी थी। बाद में इस प्रक्रिया में अंगुल एनर्जी नाम की एक और अनुषंगी को जोड़ दिया गया है। हालांकि नरेंद्रन ने कहा कि विलय प्रक्रिया का पूरा होना नियामकीय मंजूरियों पर भी निर्भर करेगा। इसके लिए एनसीएलटी की भी मंजूरी लेनी होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि वित्त वर्ष 2023-24 में इस प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। अंगुल एनर्जी के अलावा इस प्रक्रिया में टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स, द टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया, टाटा मेटालिक्स, टीआरएफ, इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट्स, टाटा स्टील माइनिंग और एसएंडटी माइनिंग कंपनी शामिल हैं। हाल ही में अधिग्रहीत एनआईएनएल का भी टाटा स्टील में विलय किए जाने की योजना के बारे में पूछे जाने पर नरेंद्रन ने कहा कि सरकार के साथ हुए खरीद समझौते के अनुरूप कंपनी इस इकाई को तीन साल तक एक अलग इकाई के तौर पर ही संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उसके बाद हम इस बारे में कोई फैसला करेंगे।

सोना जल्द करेगा 60 हजार को पार

नई दिल्ली ।

सोने की कीमतों में लगातार बढोतरी होती जा रही है लेकिन शुक्रवार को इसमें थोड़ी बहुत राहत देखने को मिली। 24 कैरेट सोने के भाव में 614 रुपए की गिरावट आई थी। इसके साथ ही सोना 56,983 रुपए पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों का मानना है कि जल्द ही सोना 60 हजार रुपए को पार करने वाला है क्योंकि शादियों का सीजन चल रहा है। ऐसे में सोने की मांग भी बढ़ने वाली है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने जब से ब्याज दरों में इजाफा किया है, तब से ही डॉलर मजबूत हो रहा है। इसके चलते सोने की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली थी। इसका ही परिणाम था कि मार्च 2022 में 1950 डॉलर प्रति औंस के उच्च स्तर से सोना अक्टूबर 2022 में 1636 डॉलर प्रति औंस पर आ चुका था, लेकिन जब से फेड ने ब्याज दरों में नरमी अपनाई है, तब से ही सोने में तेजी देखने को मिल रही है। वहीं अगर घरेलू बाजार की बात करें तो सोना दिवाली के समय 50 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के नीचे चल रहा था। फेड आगे भी 0.25 फीसदी की दर से बढ़ोतरी करेगा। इसके अलावा विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी देशों में मंदी की वजह से भी सोने के भाव में इजाफा देखने को मिल रहा है।

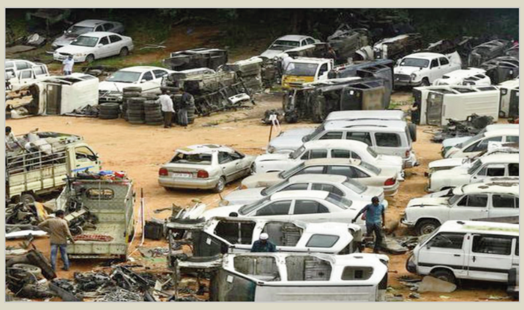

1 अप्रैल से 15 साल पुराने वाहन स्क्रैप होंगे

नई दिल्ली । केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 1 अप्रैल 2023 से 15 साल पुराने सभी सरकारी वाहन अनिवार्य रूप से स्क्रैप किए जाने के निर्देश जारी किए हैं। केंद्र सरकार एवं सभी राज्य सरकारों के सरकारी वाहन, परिवहन निगम की बसें जो 15 साल की आयु पूरी कर चुके हैं। उन्हें अनिवार्य रूप से 1 अप्रैल 2023 से वाहनों की स्क्रेपिंग शुरु करानी होगी।

केंद्र सरकार करेगी मदद

वर्ष 2023-24 का बजट प्रस्तुत करते हुए,केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा है, कि इस पाल्सी पर अमल के लिए केंद्र सरकार राज्यों को वाहन खरीदने के लिए पैसे की कमी नहीं होने देगी। केंद्र की मदद मिलने पर ही राज्य सरकारें अपने वाहनों को स्क्रैप कर पाएंगे। अन्यथा उनके पास आर्थिक संसाधनों की कमी होने के कारण वह केंद्र की इस पाल्सी का पालन नहीं कर पाएंगे।

टिक टॉक और याहू भारत के अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकालेंगे

नई दिल्ली । प्राप्त जानकारी के अनुसार टिक टॉक और याहू भारत स्थित अपने सभी अधिकारियों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रहे हैं। दोनों कंपनियों ने अपने सभी एंप्लाइज को पिंक स्लिप दे दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार टिक टॉक,इंडिया कार्यालय के कर्मचारी ज्यादातर ब्राजील और दुबई के लिए काम कर रहे थे। टिक टॉक पर पहले ही सरकार द्वारा रोक लगा दी गई थी। जिसके कारण यहां के कर्मचारी विदेश मार्केट के लिए पिछले 3 साल से काम कर रहे थे। याहू ने सारी दुनिया में 20 फ़ीसदी कर्मचारियों को छटनी करने का निर्णय लिया है। भारत के कर्मचारियों को भी याहू नौकरी से निकाल रहा है।

एबीबी इंडिया के पास 10,000 करोड़ के ऑर्डर होंगे: एमडी

नई दिल्ली । विद्युतीकरण और स्वचालन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एबीबी इंडिया ने उम्मीद जताई है कि वर्ष 2023 में उसका ऑर्डर बुक 10,000 करोड़ से अधिक रहने के साथ आगे भी बढ़ेगा। एबीबी इंडिया को वर्ष 2022 में 10,028 करोड़ रुपए मूल्य के ऑर्डर मिले जो अपने-आप में मील का पत्थर है। उसने अक्टूबर-दिसंबर, 2022 तिमाही में 2,335 करोड़ रुपए के ऑर्डर हासिल किए थे। एबीबी इंडिया के प्रमुख और प्रबंध निदेशक संजीव शर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य 10,000 करोड़ रुपए से नीचे जाने का नहीं हैं, जहां हम पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाजार का माहौल और भू-राजनीतिक कारण भारत के पक्ष में हैं क्योंकि यूरोप में बिजली की कीमत बहुत ज्यादा है। शर्मा ने बताया कि एबीबी इंडिया की 1,800 करोड़ रुपए की आंतरिक विस्तार योजनाओं के अलावा अधिग्रहण में निवेश करने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि हमारे पास 3,616 करोड़ रुपए की नकदी है, जो 50 प्रतिशत नकद भुगतान पर होने वाली अधिग्रहण योजनाओं में मददगार हो सकती है। कंपनी ने परिवहन, डाटा केंद्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स, पानी, अक्षय ऊर्जा, खाद्य एवं पेय पदार्थ, फार्मा और चिकित्सा, परिचालन क्षेत्रों में वृद्धि की भारी संभावनाएं देखी हैं।

जनवरी में किआ कारेन्स की 7,900 यूनिट्स की बिक्री हुई

अर्टिगा, एक्सएल6 और इनोवा को छोड़ा पीछे

मुंबई । फैमिली छोटी हो या बड़ी 7 सीटर एमपीवी ही बेस्ट रहती है। भारत में मारुति सुजुकी और टोयोटा की एमपीवी की सबसे ज्यादा बिक्री होती है। किआ की एमपीवी कारेन्स लांच होने से पहले की हिट हो गई थी और अच्छी सेल्स भी हो रही है। किआ कारेन्स भारतीय बाजार में मारुति अर्टिगा, एक्सएल6 और टोयोटा इनोवा जैसी 7 सीटर कारों को टक्कर दे रही है। जनवरी में किआ कारेन्स की 1274 फीसदी की सालाना ग्रोथ दर्ज की गई है। बता दें किआ कारेन्स पिछले साल 2022 में भारतीय बाजार में उतारी थी। पिछले साल इसकी केवल 575 यूनिट्स की ही बिक्री हुई थी। लेकिन जनवरी 2023 में इस कार की बिक्री में 1274 फीसदी का उछाल आया और 7,900 यूनिट्स की बिक्री हो चुकी हैं। वहीं अर्टिगा की 9,750 यूनिट्स और टोयोटा की कुल वाहन की 12,835 यूनिट्स की बिक्री हुई। किआ कारेन्स में तीन इंजन ऑप्शन 1.5-लीटर पेट्रोल (115पीएस और 144एनएम), 1.4-लीटर टर्बो-पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल दिए गए हैं। इसके अलावा इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इलेक्ट्रिक वन-टच फोल्डिंग, 64 कलर एंबिएंट लाइटिंग, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, सिंगल-पैन सनरूफ, एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी के साथ 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 6 एयरबैग, क्रूज कंट्रोल, सभी पहियों पर डिस्क ब्रेक, ईबीडी के साथ एबीएस, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

(शेयर बाजार समीक्षा) इस सप्ताह महंगाई के आंकड़े से तय होगी बाजार की चाल

- एफआईआई की निवेश धारणा की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी

मुंबई ।

दुनिया भर में ब्याज दरें लगातार बढ़ने की वजह से आर्थिक विकास पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से चिंतित निवेशकों की बिकवाली से बीते सप्ताह गिरावट पर रहे शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़ों से तय होगी। बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 159.18 अंक की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 60682.70 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 2.45 अंक की मामूली बढ़त के साथ 17856.50 अंक पर सपाट रहा। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 442.43 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 24890.44 अंक और स्मॉलकैप 400.37 प्रतिशत उछलकर 28263.05 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह बाजार दिशा की तलाश में रहेगा। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के मुद्रास्फीति के आंकड़े प्रमुख ट्रिगर के रूप में काम करेंगे। संस्थागत प्रवाह महत्वपूर्ण होगा क्योंकि जनवरी में लगातार बिकवाली के बाद विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की बिकवाली कम हुई है। इसके अलावा कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव, डॉलर इंडेक्स और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे।

इस सप्ताह देश में जनवरी के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई के आंकड़े जारी होंगे, जिसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा। एफआईआई की निवेश धारणा की भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। एफआईआई ने फरवरी में अब तक कुल 69,976.72 करोड़ रुपए की लिवाली जबकि कुल 75,390.93 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। उन्होंने बाजार से 5,414.21 करोड़ रुपए निकाल लिए। हालांकि, फरवरी में भी घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निवेश धारणा मजबूत रही है। उन्होंने बाजार में कुल 56,062.65 करोड़ रुपए का निवेश किया जबकि 49,609.60 करोड़ रुपए निकाल लिए, जिससे वह 6,453.05 करोड़ रुपए के लिवाल रहे।

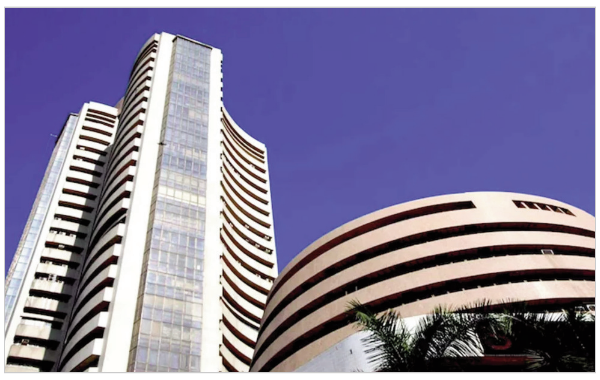

देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह का पूंजीकरण कम हुआ

सबसे ज्यादा नुकसान हिंदुस्तान यूनिलीवर को हुआ

मुंबई ।

देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह का संयुक्त रूप से मूल्यांकन पिछले सप्ताह 49,231.44 करोड़ रुपये कम हो गया। जिससे रोजमर्रा के सामान बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई के 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स में 159.18 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की गिरावट रही। एचयूएल के साथ ही भारती एयरटेल, आईटीसी, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी भी बीते सप्ताह नुकसान उठाने वाली शीर्ष दस कंपनियों में शामिल रहीं।

वहीं टीसीएस, एसबीआई, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण बढ़ा है। इन चारों कंपनियों का बाजार मूल्यांकन संयुक्त रूप से 35,840.35 करोड़ रुपये बढ़ा लेकिन वह अन्य छह कंपनियों को हुए कुल नुकसान से कम ही था। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 15,918.48 करोड़ रुपये गिरकर 6,05,759.87 करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल का पूंजीकरण 12,540.63 करोड़ रुपये घटकर 4,29,474.82 करोड़ रुपये और आईटीसी का मूल्यांकन 11,420.89 करोड़ रुपये घटकर 4,60,932.38 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक 6,863.37 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,95,885.63 करोड़ रुपये पर बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक का पूंजीकरण 1,255 करोड़ रुपये घटकर 9,23,933.45 करोड़ रुपये और एचडीएफसी का मूल्यांकन 1,233.07 करोड़ रुपये घटकर 4,91,080 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी तरफ फायदे में रहने वाली कंपनियों में से टीसीएस का मूल्यांकन 19,612.52 करोड़ रुपये बढ़कर 12,93,639.32 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 7,585.92 करोड़ रुपये बढ़कर 4,93,486.41 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी के रूप में रिलायंस का स्थान बरकरार रहा। इसका मूल्याकंन 4,938.8 करोड़ रुपये बढ़कर 15,80,653.94 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का 3,703.11 करोड़ रुपये बढ़कर 6,76,638.36 करोड़ रुपये हो गया। सबसे मूल्यवान भारतीय कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर मौजूद है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी, आईटीसी और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

नायरा एनर्जी के तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ दो प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । भारत की दूसरी बड़ी निजी तेल शोधन और ईंधन विपणन कंपनी नायरा एनर्जी के चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ में दो प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की है। करीब एक महीने तक रखरखाव संबंधी बंदी रहने और अप्रत्याशित लाभ कर से उसके मार्जिन पर असर पड़ा है। कंपनी ने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर 2022 की तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 869.8 करोड़ रुपये रहा है, जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 850.3 करोड़ रुपये था। कंपनी का परिचालन राजस्व बीती तिमाही में घटकर 24,757.7 करोड़ रुपये हुआ, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 32,412.9 करोड़ रुपये था।कंपनी के मुताबिक, उसके राजस्व में कमी की मुख्य वजह यह रही कि गुजरात के वाडिनार स्थित रिफाइनरी को नवंबर में करीब एक महीने तक रखरखाव संबंधी गतिविधियों के लिए बंद रखा गया था। करीब चार लाख बैरल प्रतिदिन की क्षमता वाली रिफाइनरी के एक महीने तक बंद होने से इसके कारोबार पर असर पड़ा। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में नायरा एनर्जी ने एक लाख करोड़ रुपये के कारोबार पर 6,226.9 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 1.19 लाख करोड़ रुपये के कारोबार पर 1,029.9 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था। नायरा एनर्जी देश भर में 6,497 पेट्रोल पंप भी संचालित करती है, जो देशभर में मौजूद कुल पेट्रोप पंप का 7.5 प्रतिशत है।

गूगल की बंद मुट्ठी जल्द खुलगी

- गूगल की बादशाहत को माइक्रोसॉफ्ट की चुनौती

न्यूयॉर्क ।

गूगल ने सारी दुनिया में 20 साल से अपना वर्चस्व बना रखा है। अब गूगल के वर्चस्व को लगातार चुनौती मिल रही है। चैट बाट इंटरनेट के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाला ऐप बन गया है। इससे गूगल को बहुत बड़ी चुनौती मिलना शुरू हो गई है।

पिछले 2 माह में चैट जीपीटी के 10 करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर्स बने हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए गूगल ने जल्दबाजी में बार्ड टेस्टिंग के लिए उतार दिया। तकनीकी खामी आने के बाद गूगल के शेयर 8 फ़ीसदी तक गिर गए। जिसके कारण गूगल को 100 अरब डालर का नुकसान एक ही झटके में हो गया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तेजी के साथ कारपोरेट जंग शुरू हो गई है। माइक्रोसॉफ्ट ने अपने सर्च इंजन बिंग में चैट जीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपन आई के साथ लगभग 82550 करोड रुपए के निवेश की घोषणा की है। इंटरनेट की दुनिया में 2 दशक तक गूगल का एकाधिकार बना हुआ था।लेकिन अब इसे माइक्रोसॉफ्ट से तगड़ी चुनौती मिल रही है। इसका मुकाबला करना गूगल के लिए आसान नहीं है।सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट के प्रभाव को कम करके नहीं आंका जा सकता है।

गूगल की कमाई घटी,चुनौती बढ़ी

गूगल की विज्ञापन से कमाई लगातार घट रही है।सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस साल गूगल की विज्ञापन से कमाई पिछले साल की तुलना में 54 फ़ीसदी रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। गूगल के ऊपर विभिन्न देशों में कानूनी मुकदमे भी बढ़ते जा रहे हैं। जिसके कारण गूगल को कई क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

तगड़ी चुनौती

माइक्रोसॉफ्ट के चैट जीपीटी, यूजर्स के सवालों का सटीक और तेज गति से जवाब देने में सक्षम साबित हुआ है। चैट जीपीटी से माइक्रोसॉफ्ट की कमाई का जरिया तेजी से बढ़ सकता है। इस मामले में गूगल का बार्क चैट जीपीटी के मुकाबले बाजार में पिछड़ गया है। चैट जीपीटी में इंटरनेट में मौजूद लाखों ग्रंथों का तेजी के साथ विश्लेषण कर देता है। लिंक के स्थान पर सीधा जवाब देता है। ग्राफिक और पेंटिंग भी बना कर दे देता है। टेक्स्ट के रूप में और संगीत इत्यादि का विविध रूप में उपयोग संभव है। जिससे यह उपभोक्ताओं की तेजी के साथ पसंद बनता जा रहा है।

बँधी मुट्ठी खुलेगी

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई का कहना है, कि हमारा एआई लैंग्वेज फॉर डायलॉग एप्लीकेशन मॉडल नए डेटा पर आधारित है। उनके अनुसार प्रतिस्पर्धी चैट जीपीटी में 2021 तक का डेटा है। उन्होंने कहा है, कि अभी हमने अपनी मुट्ठी बंद करके रखी है। जल्दी ही हम अपनी मुट्ठी को खोलेंगे। उनके हिसाब से गूगल को कोई चुनौती नहीं है। दुनिया के बाजार में गूगल की बादशाहत बनी रहेगी।

ऑयल इंडिया का दिसंबर तिमाही में मुनाफा 1,746 करोड़

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) ने चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 1,746.10 करोड़ रुपए का मुनाफा अर्जित किया जो उसका अब तक का सर्वाधिक लाभ है। कंपनी ने अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि इस तिमाही में उसका मुनाफा 1,746.10 करोड़ रुपए रहा जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 1,244.90 करोड़ रुपए था। कंपनी के लाभ में वृद्धि कच्चे तेल एवं गैस के उत्पादन एवं बिक्री से होने वाली आय बढ़ने से हुई है। तेल एवं गैस के दाम बढ़ने से कंपनी को फायदा हुआ है। ओआईएल ने दिसंबर तिमाही में 8.1 लाख टन कच्चे तेल का उत्पादन किया जबकि इसका गैस उत्पादन 80 करोड़ घन मीटर रहा। तेल एवं गैस उत्पादन की बेहतर कीमत मिलने और इनका उत्पादन बढ़ने से कंपनी को अब तक का सर्वाधिक तिमाही लाभ हुआ है। इस बीच कंपनी के निदेशक मंडल ने 10 रुपए के अंकित मूल्य वाले शेयर पर 10 रुपए का दूसरा अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की है। इसके पहले कंपनी प्रति शेयर 4.50 रुपए का लाभांश दे चुकी है। इस तरह चालू वित्त वर्ष में कुल लाभांश 14.50 रुपए प्रति शेयर हो गया है।

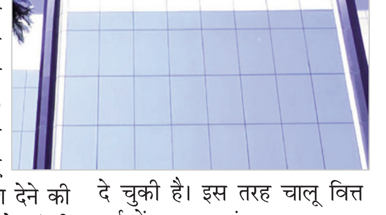

सार्वजनिक बैंकों का लाभ संयुक्त रुप से 65 प्रतिशत बढ़ा

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कुल 29,175 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है जो एक साल पहले की तुलना में 65 प्रतिशत अधिक है। इन बैंकों के बीच बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। सार्वजनिक बैंकों के अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही परिणामों के अनुसार बीओएम का लाभ 139 प्रतिशत की जोरदार उछाल के साथ 775 करोड़ रुपए हो गया। इस तरह बीओएम ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच सर्वाधिक लाभ कमाया है। कोलकाता स्थित यूको बैंक दूसरे स्थान पर है जिसने तीसरी तिमाही में 653 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। यह पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के उसके लाभ से 110 प्रतिशत अधिक है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक भी तिमाही में 100 प्रतिशत से अधिक लाभ हासिल करने में सफल रहे हैं। मुंबई स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 2,245 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया जो एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 107 प्रतिशत अधिक है। चेन्नई स्थित इंडियन बैंक का भी लाभ 102 प्रतिशत बढ़कर 1,396 करोड़ रुपए हो गया।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी 12 बैंकों ने सम्मिलित रूप से कुल 29,175 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 17,729 करोड़ रुपए का था। इस तरह इन बैंकों के संयुक्त लाभ में 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2022-23 के पहले नौ महीनों अप्रैल-दिसंबर में सार्वजनिक बैंकों ने 70,166 करोड़ रुपए का कुल लाभ कमाया है जो एक साल पहले के 48,983 करोड़ रुपए की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में लगभग 15,306 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया था, जो सितंबर तिमाही में बढ़कर 25,685 करोड़ रुपए और दिसंबर तिमाही में 29,175 करोड़ रुपए हो गया।

विदेशी निवेशकों ने फरवरी में बाजार से अब तक निकाले 9,600 करोड़

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से इस महीने अब तक 9,600 करोड़ रुपए से अधिक निकाले हैं। जनवरी में भी एफपीआई ने 28,852 करोड़ रुपए की निकासी की थी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि यह पिछले सात महीनों में सबसे अधिक निकासी थी। इससे पहले विदेशी निवेशकों ने दिसंबर 2022 में 11,119 करोड़ रुपए और नवंबर में 36,238 करोड़ रुपए का निवेश भारतीय बाजार में किया था। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने एक से 10 फरवरी के बीच भारतीय शेयर बाजारों से 9,672 करोड़ रुपए की निकासी की है। बाजार के जानकारों ने कहा कि केंद्रीय बैंकों के नीतिगत ब्याज दर में वृद्धि का सिलसिला जारी रखने से आगे भी एफपीआई का पूंजी प्रवाह अस्थिर ही रहने की आशंका है। पूंजी निकासी की यह प्रवृत्ति तब तक जारी रहेगी जब तक अडानी मुद्दे पर अधिक स्पष्टता नहीं आती है, बाजार में अधिक स्थिरता आती है और एफपीआई को भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के अधिक ठोस संकेत नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजारों का तुलनात्मक रूप से अधिक मूल्यांकन होना भी विदेशी पूंजी की इस निकासी का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजारों से निकाली गई पूंजी को ताइवान, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे बाजारों में लगाया जा रहा है। उनका कहना है कि विदेशी निवेशक वाहन एवं कलपुर्जा, निर्माण और धातु एवं खनन क्षेत्र के शेयरों में लिवाली कर रहे हैं जबकि वित्तीय सेवाओं में वे लगातार बिकवाली कर रहे हैं। वहीं आईटी शेयर भी उन्हें आकर्षित कर रहे हैं। दूसरी ओर, एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में भारतीय ऋण बाजारों में 2,154 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इस महीने अब तक उभरते बाजारों में एफपीआई का प्रवाह मिलाजुला रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में खेल महाशक्ति बनने की पूरी क्षमता-अनुराग ठाकुर

लखनऊ (एजेंसी)। केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारत में खेल महाशक्ति बनने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का खेलों के प्रति इतना झुकाव है कि वो खिलाड़ियों को व्यक्तिगत रूप से जानने के साथ उनके परिवार वालों का भी हालचाल लेते है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिर्फ एक खेल ही नहीं बल्कि हर खेल को बराबर का प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर ऐसी योजनाएं जो खेल और खिलाड़ियों से जुड़ी है को तय समय के भीतर पूरा करें।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर रविवार को यहां ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में ''उत्तर प्रदेश में खेल क्षेत्र की निवेश क्षमता और एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में इसकी भूमिका÷ विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित कर रहे थे। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि खेलों इंडिया विंटर गेम्स गुलमर्ग में शुरू हो चुका हुआ है। 12 खिलाड़ियों ने 25 वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़े है। उन्होंने कहा कि एक साल में 450 कोच हायर किए गए है और आने वाले समय में और कोच हायर किए जाएंगे। वहीं प्रदेश के अपर मुख्य सचिव खेल नवनीत सहगल ने कहा कि यूपी में 30 हजार खेल के मैदान बनेंगे। इसमें ब्लॉक और जिला स्तर पर काम होगा। यूपीसीए बनारस में स्टेडियम बनाने जा रहा है। भारतीय खेल के उत्थान में यूपी ने दुनिया भर को एक से बढ़कर एक खिलाड़ी दिए हैं। लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व स्तर पर देश को पदकवीर बनाने के लिए दिल-ओ-जान से काम किया। इसका नतीजा रहा कि आज भारत दुनिया भर में पदकों की झड़ी लगाए हैं। खेल सुविधाओं को आगे बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं से सुसज्जित स्टेडियम बनाएं। इसमें यूपी को प्राथमिकता में रखा गया है। यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोच के जरिए ग्रामीण इलाकों की प्रतिभा के टैलेंट को निखारने का काम किया जा रहा है।

फिट हो चुकी सिंधू ने कहा, मैं आश्वस्त और सकारात्मक हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाएं पैर के स्ट्रेस फ्रेक्चर से पूरी तरह से उबरने के बाद फिट हो चुकी भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू मौजूदा सत्र की आगामी प्रतियोगिताओं को लेकर आश्वस्त और सकारात्मक हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने कहा कि उनकी चोट 'पूरी तरह से ठीक' हो चुकी है और वह अपना खेलते हुए अपना सब कुछ झोंक देंगी।

अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों का महिला एकल स्वर्ण पदक जीतने के बाद चोट के कारण बाहर सिंधू ने इस साल की पहली प्रतियोगिता पेट्रोनास मलेशिया ओपन 2023 के साथ वापसी की थी लेकिन उन्हें पहले दौर में स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ तीन गेम में हार का सामना करना पड़ा था। सिंधू इसके एक हफ्ते बाद स्वदेश में इंडिया ओपन में भी पहले दौर में बाहर हो गईं।

सिंधू ने विश्व बैडमिंटन महासंघ से कहा, 'मैं अब बिलकुल ठीक हूं। शारीरिक और मानसिक रूप से मैं पूरी तरह ठीक हूं। चोटें लगती रहती हैं लेकिन महत्वपूर्ण है कि आप अपने शरीर को स्वस्थ रखो और हर बार मजबूत वापसी करो। मैं आश्वस्त, सकारात्मक हूं और अपनी गल्तियों से सीख रही हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरे माता-पिता भी खिलाड़ी हैं। वे जो समर्थन और प्रेरणा देते हैं उससे मुश्किल समय में मुझे आगे बढ़ने का जज्बा मिलता है।'

पिछले साल सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशल, स्विस ओपन और सिंगापुर ओपन के रूप में तीन खिताब जीतने वाली सिंधू को एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर मौजूदा सत्र में इस सफलता को दोहराने की उम्मीद है। दुनिया की नौवें नंबर की इस खिलाड़ी ने कहा, 'साथ ही आपको शत प्रतिशत प्रदर्शन करना होगा और मैं पूरी तरह से उबर चुकी हूं। लय में आने में समय लगता है। मैं इसी राह पर हूं।'

लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय के साथ सिंधू दुबई में मंगलवार से शुरू हो रही बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। हांगकांग में 2019 में हुए पिछले टूर्नामेंट में भारत नॉकआउट में जगह नहीं बना पाया था। भारत को इस बार ग्रुप बी में मेजबान यूएई, प्रबल दावेदार मलेशिया और कजाखस्तान के साथ रखा गया है।

स्पिनर कुहनमैन के पास दूसरे टेस्ट में खेलने का मौका : मैकडोनाल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा कि अगर टीम तीन स्पिनरों के साथ खेलने का फैसला करती है तो मिचेल स्वेपसन की जगह शामिल किये गये बायें हाथ के स्पिनर मैट कुहनमैन के पास यहां 17 फरवरी से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में पदार्पण करने का अच्छा मौका है। कुहनमैन (26 वर्ष) लेग स्पिनर स्वेपसन की जगह आस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ेंगे। स्वेपसन को पूर्व योजना के अनुसार अपने पहले बच्चे के जन्म के लिये स्वदेश लौटना है। हालांकि वह तीसरे टेस्ट से पहले भारत वापस आयेंगे। मैकडोनाल्ड ने रविवार को 'क्रिकइंफो' से कहा, ''उसके (कुहनमैन के पास) अगले टेस्ट में खेलने का अच्छा मौका है।''

उन्होंने कहा, ''अगर हम तीन स्पिनरों के साथ खेलते हैं तो हमें स्पष्ट तौर पर यहां 'बैक-अप' चाहते हैं जो टीम में उपलब्ध हो ताकि हम अगर ऐसा चाहें तो कर सकें।'' कुहनमैन को कोई अंतरराष्ट्रीय अनुभव नहीं है, उन्होंने 13 प्रथम श्रेणी मैचों में महज 35 विकेट झटके हैं और वह टीम में शामिल किये जाने की खबर से हैरान रह गए। कुहनमैन ने विक्टोरिया के खिलाफ क्वींसलैंड के शेफील्ड शील्ड मैच के बाद कहा, ''कल सुबह फोन आया जब मैं वार्म-अप के लिये जा रहा था। मैं बहुत हैरान रह गया।''

उन्होंने कहा, ''मैं भाग्यशाली था कि मेरा पासपोर्ट मेरे बैग में था। मैंने पहले टेस्ट देखा, इन श्रृंखलाओं को देखना इतना अच्छा लगता है। टॉड मर्फी बेहतरीन रहे और यह भी देखा कि रविंद्र जडेजा ने कैसे गेंदबाजी की। इसलिये वहां जाने के लिये काफी उत्साहित हूं।'' वहीं मैकडोनाल्ड को दूसरे टेस्ट के लिये कैमरन ग्रीन की उपलब्धता की उम्मीद है। यह युवा आल राउंडर ऊंगली की चोट से उबर रहा है। मैकडोनाल्ड ने कहा, ''हमें उम्मीद है। अब छह हफ्ते हो गये हैं। मुझे लगता है कि उसका आज अंतिम एक्स-रे स्कैन हो गया है। उसके शामिल होने से हमें अलग अलग विकल्प मिलते हैं।'' तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पहले टेस्ट में नहीं खेल पाये थे, वह ऊंगली की चोट से उबरने के बाद यहां पहुंच चुके हैं। कोच ने कहा, ''स्टार्क आज (दिल्ली में) आराम करेगा और फिर वह कल ट्रेनिंग करेगा।'' मैकडोनाल्ड ने हालांकि सूचित किया कि जोश हेजलवुड दूसरे टेस्ट के लिये उपलब्ध नहीं होंगे जो 'एचिलस' (पैर की समस्या) के कारण श्रृंखला के शुरूआती मैच में भी नहीं खेल पाये थे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उसकी एचिलस समस्या बढ़ी हुई है। हम इसी कारण उसे नहीं खिलाना चाहते, उसे तीन दिन का आराम देना चाहते हैं।'' मैकडोनाल्ड ने टीम प्रबंधन के ट्रेविस हैड की जगह मैट रेनशॉ को खिलाने के फैसले का बचाव किया और कहा कि रेनशॉ उम्मीदों पर खरा उतरने में विफल रहे।

बंगाल ने गत चैंपियन मध्य प्रदेश को 306 रन से रौंदा, 15वीं बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई

इंदौर (एजेंसी)। बंगाल ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में गत चैंपियन मध्य प्रदेश को 306 रन से रौंदकर 15वीं बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली। बंगाल ने आखिरी दिन मध्यप्रदेश के सामने 548 रन का विशालकाय लक्ष्य रखा। मध्यप्रदेश अगर पूरा दिन बल्लेबाजी करके मुकाबला ड्रॉ भी करवा लेती तो वह पहली पारी में पिछड़ने के कारण हार जाती।

मध्य प्रदेश ने तेजी से रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल करना चाहा लेकिन इस प्रयास में गत चैंपियन 241 रन पर सिमट गई। बंगाल के लिए प्रदिप्ता प्रमाणिक ने पंजा खोलते हुए 51 रन देकर पांच विकेट लिए। पहली पारी में पांच विकेट झटकने वाले आकाश दीप को एक विकेट लिया, जबकि

मुकेश कुमार ने दो और शाहबाज़ अहमद ने एक सफलता हासिल की। दो बार की चैंपियन बंगाल का सामना फाइनल में सौराष्ट्र से होगा, जो रोमांचक सेमीफाइनल में कर्नाटक को चार विकेट से हराकर आ रही है।

मध्यप्रदेश ने अंतिम दिन ज्यादा समय व्यर्थ न करते हुए बंगाल के आखिरी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को पहले ही ओवर में आउट कर दिया, लेकिन इसके बाद उसके सामने पहाड़ जैसा लक्ष्य था। तेज खेलने की जरूरत महसूस करते हुए मध्यप्रदेश ने ताबड़तोड़ शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज यश दूबे पारी की शुरुआत में तीन खूबसूरत चौके लगाए लेकिन कुछ देर बाद उनके साथी हिमांशू मंत्री 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए।

आकाश ने इसके बाद दूबे (30) को अपना शिकार बनाया, जबकि प्रमाणिक ने शुभम शर्मा को 24 रन के स्कोर पर बोल्ड किया। मध्यक्रम के बल्लेबाज रजत पाटीदार ने 52 रन की अर्द्धशतकीय पारी खेली जबकि दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। पाटीदार ने 58 गेंदों की अपनी पारी में दो चौके और चार छक्के लगाए। इसके अलावा वेंकटेश अय्यर ने 19, आदित्य श्रीवास्तव ने 29 और अनुभव अग्रवाल ने नाबाद 30 रन का योगदान दिया।

देश में कप्तानी करना सबसे कठिन मानते हैं रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि कप्तान करना सबसे कठिन काम है। रोहित के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में स्पिनर खासे सफल रहे। इस कारण उन्हें ही अधिक ओवर दिये गये। इस मैच में रविन्द्र जडेजा, आर अश्विन और अक्षर पटेल ने जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों कोई अवसर नहीं दिया। नागपुर की पिच स्पिनरों के लिए सहायक साबित हो रही थी। इसी कारण स्पिनर ओवर मांग रहे थे जिससे वह विकेट लेकर अपने रिकार्ड पूरे कर सकें। रोहित से बातचीत के दौरान पूर्व क्रिकेटर इरफान ने पूछा कि अश्विन बाउंड्री से भागते हुए ओवर मांगने के लिए आपके पास आए। रोहित ने कहा, स्पिनरों को इस पिच पर सहायता मिल रही थी। तीनों को मैनेज करना मेरे लिए कठिन हो गया था क्योंकि, तीनों आ रहे थे और मुझसे एक ओवर मांग रहे थे। रोहित ने कहा, जडेजा कह रहा है कि मैं 249 पर हूं विकेट लेना है रिकार्ड पूरा करना है। वहीं अश्विन 450 पर पहुंच गए। वो 4 विकेट लेकर बैठे हुए हैं। वो कह रहे हैं मुझे 5वां विकेट चाहिए। इस चीज को लेकर मैं काफी परेशान हुआ हूं। फिर इरफान ने पूछा कि खुद को कैसे आप बचाते हैं तो रोहित ने कहा, मेरा यही प्लान था जब सामने लेफ्टी बल्लेबाज है तो फिर अक्षर पटले जब राइटी आए तो फिर मैं अक्षर को बोल रहा था कि अब अश्विन-जडेजा को करने दे। रोहित ने कहा, असल में भारत में कप्तान करना मुश्किल है, मैंने ये देख लिया है। अभी मेरा तीसरा मैच है यहां पर मुझे इसके लिए भी तैयारी करना पड़ती है कि किसको क्या बोलना है। हर कोई गेंदबाज कहता है कि मुझे ये रिकार्ड पूरा करना है, गेंदबाजी दो। यह समस्या केवल इस टेस्ट मैच की नहीं है। मेरे गेंदबाज मुझे एकदिवसीय और टी20 में भी यही कहते हैं।

भारतीय गेंदबाजों का सामना करने का तरीका तलाशना होगा : कमिंस

नागपुर । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने माना है कि उनकी टीम भारत के खिलाफ मुकाबले में असफल रही। कमिंस के अनुसार उनकी टीम को अगले मैच में भारतीय गेंदबाजों का सामना करना सीखना होगा। कमिंस ने कहा, '' अगले कुछ दिनों में हार के कारणों पर बातचीत होगी। हमने काफी मुश्किल गेंदबाजों का सामना किया है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के अनुसार उनकी टीम को रक्षात्मक खेल छोड़ना होगा तभी टीम को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी ने मैच में जब भी आक्रामक रुख अपना तो गेंदबाजों पर दबाव देखा गया। हमें आगे भी यह रुख अपनाना होगा। इसके लिए टीम को निडर होकर बल्लेबाजी करनी होगी।

अदिति अशोक मोरक्को में तीसरे स्थान पर, ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर कायम

रबात। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक तीसरे और अंतिम दौर में एक अंडर 72 के स्कोर से यहां एल मरयम कप में तीसरे स्थान पर रहीं। अंतिम दौर की शुरुआत छह अंडर के स्कोर से करने वाली इस भारतीय गोल्फर का कुल स्कोर सात अंडर रहा। स्वीडन की माजा स्टार्क ने अंतिम दौर में चार अंडर के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता। स्टार्क ने स्वीडन की ही लिन ग्रांट (68) को चार शॉट से पछाड़ा। यह स्टार्क का छठा लेडीज यूरोपीय टूर खिताब है। अदिति हालांकि अब भी 2023 रेस टू कोस्टा डेल सोल (ऑर्डर ऑफ मेरिट) में शीर्ष पर चल रही हैं। उन्हें 230 अंक मिले जिससे उनके 730 अंक हो गए हैं। स्टार्क को इस हफ्ते 500 अंक मिले जिससे वह दूसरे स्थान पर हैं।

रियल मैड्रिड ने पांचवीं बार फीफा क्लब विश्व कप जीता, अल हिलाल को हराया

मोरक्को (एजेंसी)। स्पेन के रियल मैड्रिड ने पांचवी बार फीफा क्लब विश्व कप अपने नाम किया। उसने फाइनल मुकाबले में सऊदी अरब के अल हिलाल को हराकर यह खिताब जीता है। फाइनल मुकाबला शनिवार को मोरक्को की राजधानी रबात के प्रिंस मौले अब्दुल्लाह स्टेडियम में खेला गया और जिसमें रियल मैड्रिड ने अल हिलाल को 5-3 से हराया।

स्पेनिश टीम के लिए विनिसियस जूनियर और फेडे वालवरडे ने दो-दो गोल दागे, जबकि दूसरे हाफ में 5वां गोल करीम बेंजेमा ने किया। अल हिलाल के लिए लुसियानो वीटो और मौसा मरेगा ने गोल किया। स्पेनिश के कप्तान एंसेलोटी की टीम सऊदी अरब के अल हिलाल पर शुरू से अंत तक हावी रही और खेल के 20 मिनट के भीतर विनी जूनियर और वाल्वरडे के दो गोल की मदद से मैच में शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद प्रतिद्वंदी टीम के खिलाड़ी मारेगा ने 26वें मिनट में एक गोल कर स्कोर के अंतर को कम किया, लेकिन ब्रेक के बाद रियल मैड्रिड ने खेल के 54वें मिनट में बेंजेमा और 58वें मिनट में वाल्वरडे के गोल ने मैच को अपने टीम के पक्ष में कर लिया। एक बार फिर प्रतिद्वंदी टीम ने पलटवार किया और वीटो ने खेल के 64वें मिनट में अपनी टीम के लिए एक गोल किया। इसके बाद विनी जूनियर ने खेल के 69वें मिनट में एक और गोल कर तीसरा गोल किया और स्कोर को 5-3 तक ले आए लेकिन अपनी हार को न बचा सके। रियल मैड्रिड ने कल पांचवीं बार फीफा क्लब विश्व कप जीता, इससे पहले वह 2014, 2016, 2017 और 2018 में भी यह खिताब अपने नाम कर चुका है।

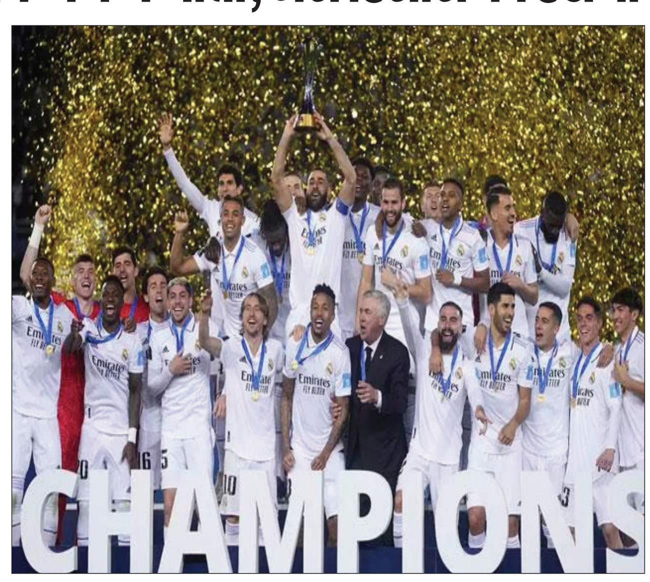

चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर : प्रजनेश, रामकुमार को प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद

चेन्नई - भारतीय खिलाड़ी प्रजनेश गुणेश्वरन और रामनाथन रामकुमार सोमवार से यहां शुरू हो रहे चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर के एकल मुख्य ड्रा में अपने वाइल्ड कार्ड प्रविष्टियों का पूरा इस्तेमाल कर आगे तक पहुंचने की उम्मीद लगाये होंगे। गुणेश्वरन हाल में डेविस कप मुकाबले में खेले थे और अंतिम एकल मैच में जीत भी हासिल की थी लेकिन यह औपचारिकता वाला मैच था। वह ब्रिटेन के जे क्लार्क के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे। रामकुमार की भिड़ंत हालांकि बुल्गारिया के आठवें वरीय दिमितार कुजुमानोव से होगी जो उनके लिये चुनौतीपूर्ण होगी। चीनी ताइपे के चुन सिन सेंग शीर्ष वरीय खिलाड़ी हैं जिनकी विश्व रैंकिंग 115 है। उनका सामना पहले दौर में क्रोएशिया के निनो सर्डारूसिच से होगा। आस्ट्रेलिया के दूसरे वरीय जेम्स डकवर्थ का सामना क्वालीफायर से होगा। टूर्नामेंट में स्वीडन के महान टेनिस खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग का 19 वर्षीय बेटा लियो बोर्ग भी हिस्सा ले रहा है जो सभी के आकर्षण का केंद्र होगा। युगल ड्रा में जीवन नेदुनचेझियान और श्रीराम बालाजी की भारतीय जोड़ी को शीर्ष वरीयता दी गयी है जो प्रबल दावेदार के तौर पर शुरूआत करेगी। अगर वरीयता के हिसाब से परिणाम आते हैं तो फाइनल में उनकी भिड़ंत आस्ट्रेलिया की मैक्स पुर्सेल और मार्क पोलमैंस की जोड़ी से हो सकती है। एकल क्वालीफाइंग स्पर्धा में करीब 10 खिलाड़ी शामिल हैं।

धर्मशाला में नहीं, कहीं और होगा भारत-आस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट : बीसीसीआई सूत्र

नयी दिल्ली। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच मौजूदा श्रृंखला का एक से पांच मार्च तक धर्मशाला में होने वाला तीसरा टेस्ट अब किसी और स्थल पर कराये जाने की तैयारी है क्योंकि इस पर बिछायी गयी आउटफील्ड मैच के लिये तैयार नहीं है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। पता चला है कि बीसीसीआई के क्यूरेटर तपोश चटर्जी ने पिच और आउटफील्ड का मुआयना करने के लिये हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) स्टेडियम का दौरा किया। वह अंतिम फैसले के लिये अपनी रिपोर्ट बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों को सौंपेंगे। बेंगलुरू और विशाखापत्तनम उन स्थलों में शामिल हैं जहां तीसरा टेस्ट खेला जा सकता है। बीसीसीआई के वरिष्ठ सूत्र ने कहा, ''मैच की मेजबानी के लिये फिट होने के लिये बीसीसीआई के निश्चित मापदंड हैं। इस मैदान पर कोई भी प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेल गया है और साथ ही आउटफील्ड भी तैयार नहीं है।'' मैच शुरू होने में 16 दिन बाकी हैं और धर्मशाला का मौसम भी समस्या खड़ी कर सकता है क्योंकि इस पर लगातार अंतरराष्ट्रीय मैच बारिश की भेंट चढ़ चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया की कमजोरी नागपुर टेस्ट में उजागर हुई, स्पिन के सामने पस्त हुई टीम, पूर्व दिग्गज ने दिया बयान

नई दिल्ली। (एजेंसी)। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी इयान चैपल को लगता है कि भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में घुटने टेकने से ऑस्ट्रेलिया की स्पिन के खिलाफ कमजोरियां उजागर हो गई हैं और उन्होंने कहा कि पैट कमिंस के नेतृत्व में दौरे पर आई टीम को तेजी से परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने की जरूरत है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया से भारत में पिचों के बारे में सोचना बंद करने और सिर्फ अपने काम पर ध्यान देने को कहा। रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया को लाल मिट्टी के विकेट पर काफी परेशान किया और मेहमान टीम शनिवार को दूसरी पारी में सिर्फ 91 रन पर ढेर हो गई जो भारत में उसका न्यूनतम स्कोर है।

भारत ने नागपुर में पहला टेस्ट तीन दिन के भीतर पारी के अंतर से जीता। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने बताया, ''पहले टेस्ट ने स्पिन की अनुकूल पिचों पर अच्छी स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की कमजोरी को उजागर कर दिया।'' चैपल ने कहा, ''अगर वे यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि इस हार से भारत में चुनौती पेश करने की उनकी मानसिक क्षमता प्रभावित नहीं हुई है तो यह उन्हें श्रृंखला में बनाए रखेगा। अगर वे डगमगाते हैं तो वे बड़ी परेशानी में हैं।''

नागपुर टेस्ट से पहले भारत को पिच से छेड़छाड़ के आरोपों का सामना करना पड़ा था लेकिन चैपल ने कहा कि इस पिच पर किसी भी तरह से खेलना असंभव नहीं था। चैपल के मुताबिक, ''शोर बिल्कुल वैसा ही था जैसा पिच को लेकर होता है। उम्मीद के मुताबिक हालांकि यह पहले दिन के भारतीय लाल मिट्टी के विकेट से ज्यादा कुछ नहीं निकला।'' उन्होंने कहा, ''इस पिच पर खेलना असंभव नहीं था जैसा मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने दिखाया लेकिन ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में विफल रहा।''

चैपल ने कहा, ''पिच से छेड़छाड़ को लेकर मीडिया का आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। खिलाड़ियों को चीजों को नजरअंदाज करना होगा वरना मेहमान टीम पर इसका बुरा असर पड़ेगा।'' उन्होंने कहा, ''इस बात पर बहुत अधिक जोर दिया जाता है कि पिचें कैसे खेलने जा रही हैं और इनसे छेड़छाड़ पर। यह याद रखना होगा कि दोनों टीमों को एक ही पिच पर खेलना है।'' उन्होंने कहा कि भारत की वर्तमान टीम मजबूत है और किसी भी स्थिति में जीतने की क्षमता रखती है। इस 79 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी ने बताया, ''हकीकत यह है कि भारत दुनिया भर में एक बहुत मजबूत टीम के रूप में विकसित हुआ है और उन्हें पता है कि स्वदेश में कैसे जीतना है।''

भारत को पहली पारी में 400 रन तक ले

जाने वाले कप्तान रोहित शर्मा के 'शानदार' शतक का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, ''भारत में स्पिन के खिलाफ कमजोर ऑस्ट्रेलिया अगर जल्दी से हालात से सामंजस्य नहीं बैठाता है तो उसका वही हाल होगा जो अन्य मेहमान टीमों का हुआ है।'' चैपल ने ऑफ स्पिन ऑलराउंडर ट्रेविस हेड को नहीं खिलाने पर भी सवाल उठाए, ''अच्छे स्पिनरों के खिलाफ परेशानी के बावजूद ट्रेविस हेड को बाहर करना आसान नहीं था। केवल सात प्रथम श्रेणी मैच के बाद ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी को पदार्पण कराना साहसिक फैसला था।

फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज-हम्पी की लगातार दूसरी जीत, फिर बनी विश्व नंबर 2

म्यूनिख, जर्मनी । फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज के नौवे राउंड में भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी नें जर्मनी की एलिज़ाबेथ पैहत्ज़ को पराजित करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की इससे पहले आठवे राउंड में हम्पी नें पोलैंड की अलीना काशलिनस्काया को पराजित किया था, इन दोनों जीतो के कारण हम्पी अब प्रतियोगिता में सबसे आगे चल रही अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक से सिर्फ 1 अंक पीछे है और अगर हम्पी नें अगले राउंड में कोस्टेनियुक को पराजित किया तो वह अभी भी खिताब जीत सकती है । हम्पी नें सफ़ेद मोहरो से किंग्स इंडियन ओपनिंग में 36 चालों में एलिज़ाबेथ को हार मानने पर विवश कर दिया । इस जीत का फायदा हम्पी को लाइव विश्व रैंकिंग में भी हुआ और है वह 2576 रेटिंग वाली रूस की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक को पीछे छोड़कर 2578 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गयी है ।

मन से हो जाएं मुक्त

इस दुनिया के किसी भी व्यक्ति या वस्तु से पीछा छुड़ाने की हमें कोई जरूरत नहीं हैं, हमें सिर्फ अपने मन से मुक्त होने की जरूरत है। जैसे ही आप अपने मन से मुक्त हो जाते हैं, चैतन्यस्वरूप परमात्मा का प्रकाश आपके जीवन के भर देता है।

मैं आपके हाथ जीवनभर सुखी रहने की चाबी थमा देती हूं, अगर आप उसे ठीक से संभाल सको, तो कृपया संभाल लेना। चाबी यही है कि जब-जब आपका मन ठहर जाएगा, वहीं पर आपको सच्चा सुख और आनंद मनाने का मौका मिलता है। और जब भी आपका मन अस्थिर रहेगा, आपको दुख, तनाव और चिंताएं घेर लेती हैं। तब आप उन चीजों की तलाश में दर-दर भटकते फिरते हैं, जिन चीजों से आपको लगता है कि सुख मिलेगा। जब आपको अपनी मनचाही चीज मिल जाती है, तब अचानक थोड़ी देर के लिए आपका मन ठहर जाता है। जैसे ही आपका मन ठहर जाता है, आप अपने ही आनंद में मग्न हो जाते हैं। थोड़ी देर बाद वह चीज तो वहीं पर पड़ी रह जाती है, और आपका मन सुख की तलाश में किसी और चीज की तरफ आकर्षित हो जाता है। पर जब आपको थोड़ी देर सुख मिला था, वह इसलिए कि आपका मन उस समय ठहर गया था।

- आनंदमूर्ति गुरुमां

हर क्षण जब आपका मन ठहर जाता है, आप अपने ही भीतर सुख का अनुभव करते हैं। इस मन को ठहराने का तरीका है आपकी श्वसन क्रिया में। जैसे ही आप अपनी श्वसन क्रिया को शांत करते हैं, आपका मन ठहरने लगता है और जब भी मन ठहर जाता है, आप स्वतः सुख का अनुभव करते हो। बाह्य जगत में हमें सुख पाने के लिए वस्तुओं और व्यक्तियों का गुलाम बनना पड़ता है। लेकिन अपने श्वासों को शांत करके अपने ही भीतर मिलने वाले असीम आनंद को पाने में हम अत्यंत स्वतंत्र महसूस कर सकते हैं।

श्वासों को शांत करने से वहीं और उसी क्षण जैसे ही आपका मन ठहर जाता है, आपका सुख आपको तुरंत मिल जाता है। उसके लिए इस दुनिया के किसी भी व्यक्ति या वस्तु से पीछा छुड़ाने की हमें कोई जरूरत नहीं है, हमें सिर्फ अपने मन से मुक्त होने की जरूरत है। जैसे ही आप अपने मन से मुक्त हो जाते हैं, चैतन्यस्वरूप परमात्मा का प्रकाश आपके जीवन को भर देता है। पर अपने ही भीतर के इस चैतन्य के प्रकाश को आप कैसे देख पाएंगे? सच तो यह है कि जैसे ही आप अपने भीतर उसे देखने में कामयाब हो जाएंगे, जल्दी ही आप बाहर भी उसे देखने लग जाएंगे। लेकिन ज्ञान के बिना आप इस प्रकाश को नहीं देख सकेंगे। प्रश्न यह उठता है कि अगर परमात्मा मेरे ही हृदय में विराजमान हैं, तो उसके लिए मैं क्यों प्यासा हूं? इस मन के अधिष्ठान में परमात्मा ही है, परमात्मा ही आपके मन का सर्वस्व है। फिर भी आपका मन उसके लिये तड़पता है।

कबीर कहते हैं, 'जल विच मीन पियासी, मोहे देखत आवे हासी' यानी पानी में रह कर भी मछली पानी के बिना प्यासी है। आपके मन का अधिष्ठाता परमात्मा है। आप परमात्मा में ही रहते हैं, फिर भी आप परमात्मा से वंचित रहते हैं, दुखी होते हैं और अपने आपको हजार चीजों में उलझाये रखते हैं। जब आपका मन ठहर जाता है, उसी क्षण उस प्यारे के प्रेम की बरसात आपके दिल में होने लगती है। मन को श्वसन क्रिया की अलग-अलग विधियों द्वारा ठहराया जा सकता है, जिससे आपके हृदय के उपवन में परमात्मा के असीम प्रेम की बरसात होने लगती है। अपने आसपास की ध्वनियों को सुनें, उन्हें आत्मसात करें, अपने श्वास में पिरोएं। आपके अंदर जब प्रेम भरने लगेगा, आप खुद अपने आपको मुक्त पाएंगे। परमात्मा के साथ अपना एकाकार करने के लिए बस आपको अपने अंदर की ध्वनि सुननी होगी, अपने श्वासों के माध्यम से। आप दुख और सुख में एकलीन हो जाएं। कुछ समय बाद आप ना दुख को महसूस करेंगे ना सुख को। बल्कि चौबीसों घंटे एक अलग दुनिया में विचरण करेंगे। इस स्थिति तक पहुंचने के लिए योगी, साधू और तपस्वी ना जाने क्या-क्या जतन करते हैं।

परमात्मा को क्या चाहिए? यह सवाल अपने आप से भी जानिए कि आपको क्या चाहिए? जल आपके पास है, वायु आपके पास है, धरती आपके समीप है। इससे अधिक क्या? मोह की मुक्ति की शुरुआत अपने भीतर से करिए। श्वास को आते-जाते महसूस कीजिए और कल्पना कीजिए कि आप मुक्त हो रहे हैं दुखों से, छल-कपट और निष्ठुरता से। यही है सुख की चाबी। दुखों से मुक्ति सुख नहीं है। मुक्ति को पाना और समीप से महसूस करना ही असली सुख है।

जब देवताओं ने ली हनुमानजी के बल और बुद्धि की परीक्षा

हनुमानजी को आकाश में बिना विश्राम लिये लगातार उड़ते देखकर समुद्र ने सोचा कि ये प्रभु श्रीरामचंद्रजी का कार्य पूरा करने के लिए जा रहे हैं। किसी प्रकार थोड़ी देर के लिये विश्राम दिलाकर इनकी थकान दूर करनी चाहिए। उसने अपने जल के भीतर रहने वाले मैनाक पर्वत से कहा, मैनाक! तुम थोड़ी देर के लिये ऊपर उठकर अपनी चोटी पर हनुमानजी को बिठाकर उनकी थकान दूर करो। समुद्र का आदेश पाकर मैनाक प्रसन्न होकर हनुमानजी को विश्राम देने के लिये तुरंत उनके पास आ पहुंचा। उसने उनसे अपनी सुंदर चोटी पर विश्राम के लिये निवेदन किया। उसकी बातें सुनकर हनुमानजी ने कहा, मैनाक! तुम्हारा कहना ठीक है, लेकिन भगवान श्रीरामचंद्रजी का कार्य पूरा किये बिना मेरे लिये विश्राम करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। ऐसा कहकर उन्होंने मैनाक को हाथ से छूकर प्रणाम किया और आगे चल दिये।

हनुमानजी को लंका की ओर प्रस्थान करते देखकर देवताओं ने सोचा कि ये रावण जैसे बलवान राक्षस की नगरी में जा रहे हैं। इनके बल बुद्धि की विशेष परीक्षा कर लेना इस समय आवश्यक है। यह सोचकर उन्होंने नागों की माता सुरसा से कहा, 'देवी सुरसा! तुम हनुमान के बल बुद्धि की परीक्षा लो। देवताओं की बात सुनकर तुरंत सुरसा एक राक्षसी का रूप धारण कर हनुमानजी के सामने जा पहुंची। उसने उनका मार्ग रोकते हुए कहा, वानरवीर! देवताओं ने आज मुझे तुमको अपना आहार बनाने के लिये भेजा है।

उसकी बातें सुनकर हनुमानजी ने कहा, माता! इस समय मैं प्रभु श्रीरामंचद्रजी के कार्य से जा रहा हूं। उनका कार्य पूरा करके मुझे लौट आने दो। उसके बाद मैं स्वयं ही आकर तुम्हारे मुंह में प्रविष्ट हो जाउंगा। इस समय तुम मुझे मत रोको, यह तुमसे मेरी प्रार्थना है। इस प्रकार हनुमानजी ने सुरसा से बहुत प्रार्थना की, लेकिन वह किसी प्रकार भी उन्हें जाने नहीं दे रही थी। अंत में हनुमान जी ने क्रुद्ध होकर कहा, 'अच्छा तो लो तुम मुझे अपना आहार बनाओ। उनके ऐसा कहते ही सुरसा अपना मुंह सोलह योजन तक फैलाकर उनकी ओर बढ़ी। हनुमानजी ने तुरंत अपना आकार उसका दूना अर्थात् 32 योजन तक बढ़ा लिया।

इस प्रकार जैसे जैसे वह अपने मुख का आकार बढ़ाती गयी, हनुमानजी अपने शरीर का आकार उसका दूना करते गये। अंत में उसने अपना मुंह फैलाकर 100 योजन तक चौड़ा कर लिया। तब हनुमानजी तुरंत अत्यंत छोटा रूप धारण करके उसे उस 100 योजन चौड़े मुंह में घुसकर तुरंत बाहर निकल आये। उन्होंने आकाश में खड़े होकर सुरसा से कहा, माता! देवताओं ने तुम्हें जिस कार्य के लिए भेजा था, वह पूरा हो गया है। अब मैं भगवान श्रीरामंचद्रजी के कार्य के लिए अपनी यात्रा पुनः आगे बढ़ाता हूं। सुरसा ने तब उनके सामने अपने असली रूप में प्रकट होकर कहा, महावीर हनुमान! देवताओं ने मुझे तुम्हारे बल बुद्धि की परीक्षा लेने के लिए यहां भेजा था। तुम्हारे बल बुद्धि की समानता करने वाला तीनों लोकों में कोई नहीं है। तुम शीघ्र ही भगवान श्रीरामचंद्रजी के सारे कार्य पूर्ण करोगे। इसमें कोई संदेह नहीं है। ऐसा मेरा आशीर्वाद है।

गाय रखकर कर सकते हैं वास्तु दोषों का निवारण

गाय का भारतीय संस्कृति में विशिष्ट स्थान है। यह सदा से भारतीय जन-जीवन की धुरी रही है। प्राचीन काल में हमारे देश में सर्वाधिक सम्पन्नता के स्तर का मापक गाय ही हुआ करती थी। देशी-विदेशी चिकित्सा प्रणालियों में गाय की बड़ी महिमा है। पुराणों के अनुसार गाय में तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं का निवास है। गाय को भी देवता के समान माना गया है। गर्ग संहिता के अनुसार नौ लाख गाय रखने वाले को नंद, पांच लाख गायों के मालिक को उपनंद। दस लाख गाय वला 'वृषभानु' एंव एक करोड़ गायों को पालक को 'नंदराज' कहा जाता था। श्रीकृष्ण का नाम आते ही उनके चारों ओर गाय-बछड़ों एवं गोप-ग्वालों का चित्र हमारे मानस पटल पर आ जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार गायों की निम्नलिखित विशेषताएं हैं-

- गोदुग्ध पीने से हमें सतत शक्ति एवं स्फूर्ति मिलती है। गोमूत्र सेवन से शरीर रोगमुक्त होता है।
- जिस स्थान पर भवन या घर का निर्माण करना हो तो यदि वहां बछड़े वाली गाय को बांधा जाए तो वहां वास्तु दोषों का निवारण हो जाता है। कार्य निर्विघ्न पूरा होता है और समापन तक आर्थिक बाधाएं नहीं आती।
- ज्योतिष में गोधूली का समय विवाह के लिए सर्वोतम माना गया है। जब गायें जंगल से चरकर वापस घर आती है उस समय को गोधूली वेला कहते हैं।
- यात्रा के समय गाय सामने पड़ जाए तो यात्रा सफल होती है।
- किसी भी जन्मपत्री में सूर्य नीच राशि तुला पर हो या अशुभ स्थिति में हो अथवा केतु द्वारा परेशानियां आ रही हो तो गाय की पूजा करनी चाहिए, दोष समाप्त होंगे।
- विष्णु पुराण में कहा गया है जब श्रीकृष्ण पूतना के दुग्धपान से डर गये तो नन्द दम्पनी ने गाय की पूंछ घुमाकर उनकी नजर उतारी और भय का निवारण किया।
- संतान लाभ के लिए गाय की सेवा का अच्छा उपाय कहा गया है। शिवपुराण के अनुसार गाय की सेवा करने वालों को यम का भय नहीं रहता।
- आयुर्वेद में गाय के घी को आयु कहा गया है। गाय का घी सेवन करने वाला व्यक्ति दीर्घायु होता है।
- गोमूत्र में कार्बोलिक एसिड होता है जो कीटानाशक है और शुद्धता बढ़ाता है। इसमें स्वर्णक्षर मौजूद रहता है जो अति उपयोगी रसायन है।
- गाय भारतीय कृषि का आधार है। बिगड़ी भूमि को सुधारने एवं उर्वराशक्ति को बढ़ाने के लिए गोबर का उपयोग हजारों वर्षों से खेती के लिए किया जा रहा है।
- गोमूत्र में सोलह प्रकार के खनिज तत्व होते हैं जो शरीर के रक्षण, पोषण और विकास में सहायक है। इसके समुचित सेवन से रोग-रोधक शक्ति बढ़ती है। शरीर शक्तिशाली एवं चेतनायुक्त होता है।
- गाय के सींगों का बनावट पिरामिड जैसा होता है। वह एक शक्तिशाली एंटीना के रूप में कार्य करती ह। सींगों की मदद से गाय आकाशीय ऊर्जाओं को शरीर में संचित कर लेती है। वहीं ऊर्जा हमें गोमूत्र,

दूध ओर गोबर द्वारा मिलता है।

गाय के दूध में कैरोटीन नामक पदार्थ भैंस के दूध से दस गुना अधिक होता है। भैंस का दूध गर्म करने पर उसके सर्वाधिक पोषक तत्व मर जाते हैं। जबकि गाय का दूध गर्म करने का भी वैसे ही पोषक तत्व विद्यमान रहते हैं।

- देशी गाय पूर्णतय शाकाहारी पशु है जबकि जरसी गाय मांसाहारी जंगली पशु है। जरसी गाय के भोजन में मांस का टुकड़ा मिला दिया जाए तो बड़े चाव से खा जाती है।
- धार्मिक मान्यता के अनुसार भारतीय गोवंश का उद्गम जंगल से नहीं बल्कि समुद्र मंथन से प्राप्त गोमाताओं से है। वैज्ञानिकों का कहना है कि भारतीय गोवंश का मूल स्रोत 'औरक्तस' नामक पशु है जिसने 18 लाख वर्ष पूर्व भारत में जन्म लिया था।
- क्रासबीडिंग करना अथवा विदेशी गायों की ओर देखना छोड़कर हमें अपनी भारतीय नस्ल की गायों को उचित महत्व देना चाहिए।
- गौमाता की कृपा से गोभक्तों का आगामी वंश भी संस्कारवान होता है। गोसेवा करने वाला निश्चिंत रहता है। किसी ने ठीक लिखा है-

जा घर होय तुलसी अरू गाय।
ता धर वैद्य कबहुं नहीं जाए।।

मात्र 11 दिन में खुशी से झोली भर देंगे गणेशजी के यह 3 मंत्र

गणेशजी के यह 3 विलक्षण अमोघ मंत्र

भगवान श्री गणेश अप ने हर रूप में प्रसन्नता और खुशियों का वरदान देते हैं। उनकी हर आराधना फलदायक होती है। वह सौभाग्य और मंगल के प्रदाता हैं। आइए जानते हैं उनके 3 ऐसे चमत्कारी मंत्र जो विधिवत करने पर मात्र 11 दिन में जीवन बदल देने की क्षमता रखते हैं।

मंत्र 1 : गणेश गायत्री मंत्र

ऊँ एकदन्ताय विद्महे वक्रतुंडाय धीमहि तन्नो बुद्धि प्रचोदयात।।

यह गणेश गायत्री मंत्र है। इस मंत्र का 11 दिन शांत मन से 108 बार जप करने से गणेशजी की विशिष्ट कृपा होती है। गणेश गायत्री मंत्र के जप से व्यक्ति का भाग्य चमक जाता है और हर कार्य अनुकूल सिद्ध होने लगता है।

मंत्र 2 : तांत्रिक गणेश मंत्र

ऊँ ग्लौम गौरी पुत्र, वक्रतुंड, गणपति गुरू गणेश।
ग्लौम गणपति, ऋद्धि पति, सिद्धि पति। करों दूर क्लेश।।

11 दिन तक इस मंत्र का 108 बार जाप करने व्यक्ति के जीवन के सारे क्लेश समाप्त होते हैं। धन, धान्य, संपत्ति, समृद्धि, खुशियां, वैभव, पराक्रम, विद्या और शांति की प्राप्ति होती है। लेकिन इस मंत्र के प्रयोग के समय व्यक्ति को पूर्ण सात्विकता रखनी होती है और क्रोध, मांस, मदिरा, परस्त्री संबंधों से दूर रहना होता है।

मंत्र 3 : गणेश कुबेर मंत्र

ऊँ नमो गणपतये कुबेर येकद्रिको फट् स्वाहा।

यह मंत्र अपार लक्ष्मी देने वाला है। गणेशजी की पूजा करने के बाद गणेश कुबेर मंत्र का 11 दिन तक नियमित रूप से जाप करने से व्यक्ति को धन के नवीन स्त्रोत मिलना आरंभ होते हैं। जीवन में खुशियां दस्तक देने लगती है।

वेद, विज्ञान और पुराणों से जानिए शंख की महिमा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लेख मिलता है कि 'शंख' चंद्रमा और सूर्य के समान ही देव हैं। शंख के मध्य में वरुण, पीछे के भाग में ब्रह्मा और आगे के भाग में गंगा और सरस्वती का निवास है।

शंख निधि (धन का खजाना) का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस मंगलचिह्न को घर के पूजास्थल में रखने से अनिष्टों का नाश होता है और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

शंख का महत्व जितना धार्मिक है उतना ही वैज्ञानिक, वैज्ञानिकों का मानना है कि शंख-ध्वनि के प्रभाव में सूर्य की किरणें बाधक होती हैं। इससे आसपास का वातावरण तता पर्यावरण शुद्ध रहता है।

आयुर्वेद के अनुसार शंखोदक भस्म से पेट की बीमारियों अमूमन पीलिया, यकृत के रोग, पथरी आदि रोग ठीक होते हैं।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि मूक एवं श्वास रोगी हमेशा शंख बजायें तो बोलने की शक्ति पा सकते हैं। ऋषि श्रृंग की मान्यता है कि छोटे-छोटे बच्चों के शरीर पर छोटे-छोटे शंख बांधने तथा शंख में जल भरकर अभिमंत्रित करके पिलाने से वाणी-दोष नहीं रहता है।

यजुर्वेद में कहा गया है कि 'यस्तु शंखध्वनि कुर्यात्पूजाकाले विशेषतः, वियुक्तः सर्वपापेन विष्णुनां सह मोदते' यानी पूजा के समय जो व्यक्ति शंख-ध्वनि करता है, उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और वह भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाता है।

मुगल काल के मशहूर संगीतज्ञ तानसेन ने अपने आरंभिक दौर में शंख बजाकर ही गायन शक्ति प्राप्त की थी। अथर्ववेद के चतुर्थ अध्याय में शंखमणि सूक्त में शंख की महिमा का वर्णन मिलता है।

अथर्ववेद के अनुसार, शंख से राक्षसों का नाश होता है। भागवत पुराण में भी शंख का विस्तृत उल्लेख मिलता है। यजुर्वेद के अनुसार युद्ध में शत्रुओं का दिल दहलाने के लिए शंख फूकने का वर्णन मिलता है।

गोरक्षा संहिता, विश्वामित्र संहिता, पुलस्त्य संहिता आदि ग्रंथों में दक्षिणावर्ती शंख को आयुर्वद्धक और समृद्धि दायक कहा गया है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, पूजा के समय शंख में जल भरकर देवस्थान में रखने और उस जल से पूजन सामग्री धोने और घर के आस-पास छिड़कने से वातावरण शुद्ध रहता है।

विष्णु पुराण के अनुसार माता लक्ष्मी समुद्र राज की पुत्री हैं तथा शंख की उत्पत्ति भी समुद्र से हुई है, इसलिए शंख उनके भाई है। मान्यता है कि जहां शंख है, वहीं लक्ष्मी जी का वास होता है।

कराची में बंद हो चुका नोट देने पर बस कंडक्टर ने प्रोफेसर को पीटा

कराची। पाकिस्तान के कराची शहर में बस कंडक्टर ने किराए के रूप में बंद हो चुका नोट देने के लिए स्थानीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की पिटाई कर दी। पिटाई से प्रोफेसर लहूलुहान हो गए। दरअसल प्रोफेसर ने कंडक्टर को 10 रुपए का पुराना नोट दिया। जिसे कंडक्टर ने यह कहते हुए लेने से इनकार कर दिया कि यह नोट अब बंद हो चुका है। इस पर प्रोफेसर ने कहा कि उनके पास वही नोट है। कंडेक्टर उनसे बहस करने लगा। बाद में कंडक्टर आक्रामक हो गया और उसने प्रोफेसर की पिटाई शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि जिस प्रोफेसर के साथ पिटाई की गई है, उनका नाम डॉ. आतिफ जमील है। वह दाउद यूनिवर्सिटी के पोस्ट-ग्रेजुएट विभाग के प्रोफेसर हैं। उन्हें एक रेड बस सर्विस के ड्राइवर और कंडक्टर ने 10 रुपए का एक पुराना नोट देने के लिए पीट दिया। कंडक्टर लगातार उन्हें नोट बदलने के लिए कह रहा था। इस पर दोनों की बहस हो गई। प्रोफेसर ने एक वीडियो में कहा कि वह क्लिफटन में अपने घर से यूनिवर्सिटी जा रहे थे। तब उन्हें ड्राइवर और कंडक्टर ने मारा। प्रोफेसर ने कंडक्टर को 10 रुपए का एक नोट दिया था। कंडक्टर ने उस नोट को लौटा दिया था और नए की मांग कर रहा था। इस पर प्रोफेसर ने कहा कि उनके पास कोई और नोट नहीं है, जिसके बाद कंडक्टर गुस्से में आ गया। शुरुआत में दोनों ने सिर्फ बहस होती रही। बाद में लड़ाई होने लगी। प्रो. आतिफ जमील ने इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

तुर्किये में भूकंप के छह दिन बाद भवन निर्माण ठेकेदारों को गिरफ्तार किया गया

अंताक्या। दक्षिण-पूर्व तुर्किये और उत्तरी सीरिया में आये विनाशकारी भूकंप के छह दिनों बाद भी मलबे से कुछ जीवित लोगों को बाहर निकाले जाने के बीच अधिकारियों ने उन 130 लोगों को हिरासत में लिया है या उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किये है, जो भूकंप से नष्ट हुई इमारतों के निर्माण में कथित तौर पर शामिल थे। तुर्किये और सीरिया में सोमवार को आये भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 28,000 के पार हो गई है, जबकि कम से कम 80 हजार लोग घायल हुए हैं। बचाव अभियान अभी जारी है। मलबे के नीचे अब भी दबे लोगों को बचाने के लिए बचावकर्मी पिछले पांच दिन से कड़ाके की ठंड में लगातार मशक्कत कर रहे हैं। तुर्किये के उपराष्ट्रपति फुआत ओकटे ने शनिवार देर रात कहा कि 131 लोगों को हिरासत में लेने के लिए वारंट जारी किया गया है, जिन पर इमारतों के ढहने के लिए जिम्मेदार होने का संदेह है। तुर्किये के न्याय मंत्री ने कहा कि इमारतों के ढहने के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जायेगा। अभियोजकों ने निर्माण में प्रयुक्त सामग्री के बारे में साक्ष्य के लिए इमारतों के मलबे के नमूने एकत्र करना शुरू कर दिया है। सरकारी समाचार एजेंसी 'अनादोलु' की खबर के अनुसार अधिकारियों ने गजियांतेप प्रांत में रविवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया, जिन पर एक इमारत में अतिरिक्त कमरा बनाने के लिए 'पिलर' को काटने का संदेह है।

सुरक्षा बलों के वाहन पर आत्मघाती हमला, चार सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत उत्तर पश्चिम क्षेत्र में सुरक्षा बलों के वाहन पर आत्मघाती हमले में चार सैनिकों की मौत हुई और 22 लोग घायल हो गए। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। घटना देश के कबायली जिले में हुई, जहां आत्मघाती हमलावर बम से युक्त तिपहिया वाहन चला रहा था। हमलावर ने सुरक्षा बलों के वाहन को टक्कर मार दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, आत्मघाती बम हमलावर एक तिपहिया वाहन चला रहा था। कबायली जिले के खजूरी चौक में एमपीसीएल पेट्रोलियम कंपनी की सुरक्षा में ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाबलों के वाहन को हमलावर ने अपने तिपहिया वाहन से टक्कर मार दी। हमले में चार सैनिकों की मौत हुई और 22 लोग घायल हो गए, जिसमें 15 कंपनी के कर्मचारी हैं। कंपनी के कर्मचारी ड्यूटी के बाद कड़ी सुरक्षा में अपने विश्राम स्थल की ओर लौट रहे थे, तभी हमलावर ने कर्मचारियों की सुरक्षा में साथ जा रहे एक सुरक्षा बलों के एक वाहन को टक्कर मार दी।

तुर्की और सीरिया के बाद इंडोनेशिया में भूकंप के झटके महसूस किए गए

जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत में शनिवार को 6.0 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए। राहत की बात है कि इस प्राकृतिक आपदा में जानमाल का किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। स्थानीय समयानुसार दोपहर 3 बजकर 55 मिनट पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.0 आंकी गई। एजेंसी के अनुसार भूकंप का केन्द्र तालौद द्वीप के मेलोंगुआन उप जिले के 37 किमी दक्षिण-पूर्व में और समुद्री तल से 11 किलोमीटर की गहराई में था। प्रांत के आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख जोई ओरोह ने बताया कि भूकंप से किसी भी प्रकार की संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ और कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ। जिले में आपदा प्रबंधन एजेंसी की परिचालन इकाई के प्रमुख जबेस लिंडा ने कहा,'' सर्वाधिक प्रभावित तालौद द्वीप में ज्यादा झटके महसूस किए गए, लेकिन स्थानीय निवासियों में घबराहट नहीं हुई।

हिंसक भीड़ ने थाने पर धावा बोला, ईशनिंदा के आरोपी व्यक्ति को पीट-पीटकर मार डाला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शनिवार को हिंसक भीड़ ने एक थाने पर धावा बोल दिया और उसने ईशनिंदा आरोपी एक व्यक्ति को पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यहां से करीब 80 किलोमीटर दूर ननकाना साहिब के वार्बर्टन में भीड़ ने थाने पर धावा बोल दिया और उसने ईशनिंदा के आरोपी वारिस ईसा को अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने बताया कि भीड़ ने ईसा को निर्वस्त्र कर दिया और पीट-पीटकर उसे मार डाला। ईसा को पवित्र ग्रंथ की कथित बेअदबी के मामले गिरफ्तार किया गया था। जियो न्यूज की खबर के अनुसार, इलाके के लोगों ने दावा किया है कि दो साल बाद जेल से छूटकर आया व्यक्ति पवित्र ग्रंथों पर अपनी पूर्व पत्नी की तस्वीर चिपकाकर जादू-टोना करता था। इस व्यक्ति के साथ मारपीट की घटना के कई वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर आए हैं। एक वीडियो में बच्चों समेत भीड़ को थाने की गेट पर चढ़ते हुए देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना में शामिल लोगों के विरूद्ध कार्रवाई का आदेश दिया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्यों पुलिस हिंसक भीड़ को रोक नहीं पायी। उन्होंने पंजाब में पुलिस महानिरीक्षक को जिले में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, '' कानून का शासन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। किसी को भी कानून को प्रभावित करने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए।

फिल्म को जीवन में उतारते हुए महिला ने 5 युवकों पर लगाया फर्जी गैंगरेप का केस, कोर्ट ने 8 मामलों में दोषी ठहराया

लंदन। ब्रिटेन से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। एक महिला ने निर्दोष युवकों पर कई बार बलात्कार करने का आरोप लगाया गया, जिसके लिए उन्हें जेल भी भेजा गया। महिला के आरोप ने पांच युवकों का जीवन बर्बाद कर दिया। महिला ने ऑनलाइन तस्वीरें भी साझा कीं। मुंह पर गंभीर चोटों के निशान देखने के बाद उसके होमटाउन में जन-आक्रोश पैदा हो गया। महिला के लिए न्याय की गुहार लगाने के लिए 1,100 से अधिक लोगों ने ऑनलाइन अपील की। न्याय के लिए महिला ने जस्टगिविंग पर लगभग 22,000 पाउंड जुटाए। आरोपी महिला का नाम एलेनोर विलियम्स है। मई 2020 में एलेनोर ने अपने सोशल मीडिया पर जो खौफनाक कहानी बताई वह तेजी से वायरल हो गई। 19 वर्षीय एलेनोर ने दावा किया कि एक एशियाई गिरोह द्वारा इंग्लैंड के उत्तर में उसके साथ सालों से बलात्कार किया जा रहा है। महिला ने खुद ही हथौड़ा खरीदा और खुद को मारा। उसके घर से खून से सना हुआ यह हथौड़ा बरामद किया गया। महिला ने आरोप लगाया कि वे सभी उसे नशीले पदार्थ देते हैं, पीटते हैं, हथियारों से धमकाते हैं और उसे ब्लैकमेल करते हैं। उसके कई आरोप सीसीटीवी, बैंक रिकॉर्ड, फोन रिकॉर्ड और सोशल मीडिया सर्च के सबूतों से आसानी से खारिज हो गए। फेसबुक पर इस पोस्ट के बाद एलेनोर के काफी समर्थक हो गए थे, जब पुलिस पर दबाव बढ़ा तो उन्होंने निर्दोष युवकों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिला पुलिस को झूठी कहानियां बता रही थी। उसने कहा उसे जबरदस्ती एम्स्टर्डम ले जाया गया, वहां उसे वेश्यालय में काम करने के लिए मजबूर किया और उसे एक नीलामी में बेच दिया गया, लेकिन महिला के इस झूठ का पर्दाफाश आसानी से हो गया।

पुर्तगाल में बेहतर वेतन और काम के हालातों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए स्कूली टीचर।

तुर्की और सीरिया में भीषण भूकंप से मरने वाले संख्या 28 हजार के पार पहुंची

अंकारा। 6 फरवरी को तड़के तुर्की और सीरिया में आए 7.8 की तीव्रता वाले भीषण भूकंप की वजह से मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भूकंप से मरने वाले लोगों की संख्या 28 हजार के पार पहुंच गई, वहीं 80 हजार से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। लगातार छठे दिन रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। खंडहर में अभी भी जिंदगी से मौत की जंग जारी है। शवों के साथ-साथ मलबों से कुछ जिंदगियां भी बाहर निकाली जा रही हैं। किसी को 90 घंटे बाद मलबे से निकाला गया, वहीं कोई 94 घंटों तक जिंदगी से जद्दोजहद करता रहा।

तुर्की के विदेश मंत्रालय ने बताया कि देश में भूकंप के बाद दुनियाभर के 99 देशों ने उन्हें मदद की पेशकश की है। फिलहाल, तुर्की में 68 देश राहत और बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। इसके अलावा 13 अन्य देश तुर्की में राहत और बचाव कार्यों के लिए अपनी टीमें भेज सकते हैं। सरकारी बयान के मुताबिक तुर्की में 8326 विदेशी बचाव कर्मी मलबे में दबे लोगों को जिंदा बचाने की कोशिशों में दिन-रात काम कर रहे हैं। भारत 'ऑपरेशन दोस्त' के जरिए तुर्की और सीरिया की मदद कर रहा है। भारत ने सेना और एनडीआरएफ की कई टीमें मदद के लिए भेजी हैं, जो लोगों को बचाने और घायलों का इलाज करने में मदद कर रही हैं।

भूकंप के 128 घंटे बाद चमत्कार, मलबे में जिंदा मिला 2 माह का बच्चा, लोगों ने तालियां बजाकर जताई खुशी

अंकारा (एजेंसी)। (ईएमएस)। तुर्किये और सीरिया में सोमवार को आए 7.8 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद करीब 28,000 मौतें हो चुकी हैं, 6,000 इमारतें ढह गई हैं और सैकड़ों आफ्टरशॉक्स से लोग जूझ रहे हैं। लेकिन इस पूरी तबाही और निराशा के बीच मलबे में लोगों के जिंदा बचे रहने की चमत्कारी कहानियां भी सामने आ रही हैं। ऐसा ही एक घटना में तुर्किये के हटे में कल मलबे के नीचे से एक दो महीने के बच्चे को सकुशल निकाला गया। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ ने तालियां बजाईं और खुशी मनाई।

भूकंप के करीब 128 घंटे बाद यह बच्चा जिंदा मिला। तुर्किये और सीरिया में भूकंप से मरने वालों की संख्या अब 28,000 हो गई है। 70,000 से अधिक लोगों के घायल होने और लाखों लोगों के बेघर होने के बीच इस 2 महीने के बच्चे को मलबे के नीचे से 128 घंटों के बाद बचाया गया। इसे एक चमत्कार ही माना जा रहा है। भूकंप के पांच दिन बाद बचाए गए लोगों में दो साल की एक बच्ची, छह महीने की एक गर्भवती महिला और 70 साल की एक महिला शामिल हैं। ठंड के मौसम के बावजूद हजारों बचावकर्मी अभी भी भूकंप की चपेट में आए इलाकों में मलबे में दबे लोगों की खोजबीन कर रहे हैं। ठंड के मौसम ने भूकंप से तबाह लाखों लोगों की तकलीफों को और बढ़ा दिया है, जिन्हें अब खाने-पीने और खुद को गर्म रखने के लिए जरूरी सामान की सख्त जरूरत है। सोमवार को आए पहले 7.8 तीव्रता के भूकंप के बाद तुर्किए और सीरिया में कई शक्तिशाली आफ्टरशॉक्स महसूस किए गए। इसके साथ ही ये भूकंप इस सदी में दुनिया की सातवीं सबसे घातक प्राकृतिक आपदा के रूप में दर्ज किया जा रहा है। तुर्किये और सीरिया में भूकंप से हुईं मौतों का आंकड़ा 2003 में पड़ोसी ईरान में भूकंप से हुई 31,000 लोगों की मौत के करीब पहुंच चुका है। तुर्किये के अंदर अब तक 24,617 लोगों की मौत के साथ ही यह देश में 1939 के बाद से सबसे घातक भूकंप है। सीरिया में 3,500 से अधिक लोगों की मौत होने की सूचना है। जबकि वहां शुक्रवार से मौतों के आंकड़े को अपडेट नहीं किया गया।

वैगनर ग्रुप के प्रमुख ने कहा, रूस-यूक्रेन जंग तीन साल खींच सकती

लंदन (एजेंसी)। यूक्रेन की लड़ाई में सक्रिय रूप से शामिल रुसी निजी सैन्य इकाई 'वैगनर ग्रुप के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने अनुमान जाहिर किया हैं कि युद्ध वर्षों तक खिंच सकता है। प्रिगोझिन ने एक वीडियो साक्षात्कार में कहा कि रूस को यूक्रेन के पूर्वी औद्योगिक गढ़ डोनबास पर पूरी तरह से नियंत्रण करने में 18 माह से दो साल लग सकते हैं। प्रिगोझिन ने कहा कि अगर रूस नाइपर नदी के पूर्व में व्यापक क्षेत्रों पर कब्जा करने का फैसला करता है, तब युद्ध 3 साल तक चल सकता है। राष्ट्रपति पुतिन के आदेशानुसार रुसी सेना ने यूक्रेन के लुहांस्क और दोनेत्स्क प्रांतों पर ध्यान केंद्रित किया है।

यूक्रेनी और पश्चिमी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस द्वारा यूक्रेन पर किये गये हमले को एक साल होने वाला है, इसके बाद रूस अपने हमलों को तेज कर सकता है। यूक्रेन के सैन्य खुफिया प्रवक्ता एंड्री चेर्न्याक ने बताया, रूसी कमान के पास बड़े पैमाने पर आक्रामक कार्रवाई के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। उन्होंने कहा, रूसी सैनिकों का मुख्य लक्ष्य पूर्वी यूक्रेन में कम से कम कुछ सामरिक सफलता हासिल करना है।'' प्रिगोझिन ने कहा कि 'वैगनर ग्रुप' के सैनिकों ने दोनेत्स्क क्षेत्र में नियंत्रण के लिए लड़ाई जारी रखी है। रूसी सेना ने पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन में हमले करने के लिए क्रूज मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल किया था। यूक्रेन का कहना है कि रूस के हमले को एक साल पूरा होने वाला है और इससे पहले उसने (रूस ने) पूर्वी क्षेत्रों में हमलों को तेज कर दिया है।

कनाडा के आसमान में भी उड़ती दिखी संदिग्ध वस्तु, पीएम ट्रूडो के आदेश के बाद फाइटर जेट ने मार गिराया

ओटावा (एजेंसी) पिछले एक हफ्ते से अमेरिका के आसमान में कई संदिग्ध ऑब्जेक्ट देखे जा चुके हैं। ये ऑब्जेक्ट अमेरिका के पड़ोसी देशों तक फैले हैं। कनाडा के आसमान पर भी एक संदिग्ध वस्तु उड़ती दिखाई दी। इसके बाद एक संयुक्त अभियान में एक फाइटर जेट ने शनिवार को कनाडा के ऊपर उड़ रहे एक अज्ञात ऑब्जेक्ट को मार गिराया।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा उन्होंने ऑब्जेक्ट को मार गिराने का आदेश दिया था। हालिया खुफिया हवाई घुसपैठ की सीरीज में यह ताजा मामला है। कनाडा से एक दिन पहले अमेरिका ने शुक्रवार को अलास्का के ऊपर उड़ रहे एक अज्ञात ऑब्जेक्ट को मार गिराया था। पीएम जस्टिन ट्रूडो ने शनिवार को एक ट्वीट में कहा कनाडाई और अमेरिकी विमान साथ आए और एक यूएस एफ-22 ने ऑब्जेक्ट पर सफलतापूर्वक फायर किया। पीएम ट्रूडो ने कहा कि युकोन में कनाडाई सेना अब ऑब्जेक्ट के मलबे को रिकवर कर उसकी जांच करेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ हालिया घुसपैठ पर बात की है। कनाडा के रक्षा मंत्री अपने अमेरिकी समकक्ष लॉयड ऑस्टिन से भी बात की।

कनाडा की रक्षामंत्री अनिता आनंद ने ट्वीट किया दोनों देशों ने फिर एक बार पुष्टि की है कि हम हमेशा एक साथ अपनी संप्रभुता की रक्षा करेंगे। शनिवार के ऑपरेशन से पहले अमेरिका ने बुधवार को दावा किया था कि उसने जिन चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया है, वे एक बेड़े का हिस्सा हैं, जो पांच महाद्वीपों में फैला हुआ है। नाटो ने भी इस पर चिंता जताई है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को ऑब्जेक्ट को नीचे गिराने के लिए अमेरिकी और कनाडाई विमानों ने एक साथ उड़ान भरी। पिछले हफ्ते अमेरिका में दिखे चीन के जासूसी गुब्बारे ने अमेरिका और चीन के बीच नए सिरे से तनाव पैदा कर दिया है। अमेरिका ने उसे शूट कर नीचे गिरा दिया था। चीन ने स्वीकार किया था कि यह बैलून उसका था, लेकिन दावा किया कि इसका उद्देश्य जासूसी नहीं था। बीजिंग ने कहा था कि गुब्बारे का इस्तेमाल मौसम संबंधी जानकारी जुटाने के लिए किया जाता है। शनिवार को अमेरिका ने चीन की कई कंपनियों को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया। इसे चीन के जासूसी गुब्बारे के खिलाफ बदले की कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

सोवियत संघ ने 50 साल पूर्व ट्रेन के ऊपर लगा दिया था जेट का इंजन

-आज की बुलेट ट्रेन से भी दौड़ती थी तेज

मास्को (एजेंसी)। तकनीक में उन्नति के साथ-साथ ट्रेनों की रफ्तार भी बहुत बढ़ गई है, जिससे लोगों का जीवन बहुत आसान हो गया है। अब ट्रेन से कहीं पहुंचने के लिए कई दिनों का इंतजार नहीं करना पड़ता है। आज दुनियाभर में ऐसी ट्रेनें मौजूद हैं, जो लोगों को कुछ ही घंटों या मिनटों में अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचा सकती हैं। इसमें बुलेट ट्रेन चर्चित नाम है। 50 साल पहले रूस यानी सोवियत संघ ने एक ऐसी ट्रेन बना दी थी, जो आज की बुलेट ट्रेन से भी तेज थी।

सोवियत संघ के इंजीनियर्स ने 1960 के दशक में इस ट्रेन का निर्माण शुरू किया था, इसे 1970 में लॉन्च कर दिया गया। इस ट्रेन ने अधिकतम 296 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ ली थी। रूस का कहना था कि अगर वह अपने ट्रैक और अधिक सक्षम बनाने में सफल होते हैं तो यह ट्रेन करीब 354 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। आज बुलेट ट्रेन की रफ्तार 320 किलोमीटर प्रति घंटे है, यानी रूस से 50 साल पहले ही इससे तेज दौड़ सकने वाली ट्रेन का निर्माण कर दिया था। दरअसल, तब यूएसएसआर और यूएस के बीच वर्चस्व को लेकर शीत युद्ध चल रहा था। अमेरिका ने हाई-स्पीड ट्रेन बनाना शुरू कर दिया था। उसने एम-497 के तहत एक ट्रेन का निर्माण शुरू किया था। इसी ट्रेन को टक्कर देने के लिए रूस ने हाई-स्पीड ट्रेन बनाना शुरू किया। तब सोवियत संघ के इंजीनियर्स को पता चला कि अगर याक-40 हवाई जहाज में इस्तेमाल होने वाले 2 इंजन ट्रेन के ऊपर लगा दिए जाएं तो ट्रेन स्पीड का रिकॉर्ड बन सकता है। ऐसे तैयार हुई रूस की सबसे तेज ट्रेन। दरअसल, अमेरिका की ब्लैक बीटल तब भी इससे तेज चलने वाली ट्रेन थी। यह जापान की पहली बुलेट ट्रेन से तेज थी। हालांकि, रूसी अधिकारियों को समझ आया कि गैसोलीन इंजन बहुत महंगे होते हैं और इनका खर्च वहन कर पाना संभव नहीं है। इसलिए इसे बंद कर दिया गया। आज इसका एक मात्र ज्ञात अवशेष पीटर्सबर्ग स्क्रैपयार्ड में जर्जर वैगन के रूप में पड़ा है।

ईरानी मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी के साथ नोबल के लिए नामित की गईं

-अफगान महिला अधिकार कार्यकर्ता महबूबा सेराज

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर अगस्त 2021 में तालिबान ने कब्जा कर लिया। इस दौरान सैकड़ों महिला अधिकार कार्यकर्ता उग्रवादी समूह से बदले की कार्रवाई के डर से अफगानिस्तान से बाहर चली गईं थीं, लेकिन महबूबा सेराज ने अफगानिस्तान छोड़ने से इनकार कर दिया था, हालांकि, वह चाहतीं तो अमेरिका जा सकती थीं। तालिबान की धमकियों के बावजूद 75 वर्षीय महिला ने महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों की वकालत करना जारी रखा और घरेलू दुर्व्यवहार से भाग रही महिलाओं के लिए आश्रयों का एक नेटवर्क संचालित करती हैं।

सेराज के काम और साहस को तब पहचाना गया जब उन्हें इस महीने की शुरुआत में नोबेल शांति पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। उन्हें जेल में बंद ईरानी मानवाधिकार कार्यकर्ता और वकील नरगिस मोहम्मदी के साथ संयुक्त रूप से नामित किया गया था। विजेता की घोषणा अक्टूबर में होने की उम्मीद है। एक फरवरी को शांति अनुसंधान संस्थान ओस्लो ने नामांकितों की घोषणा करते हुए कहा कि दोनों महिलाओं ने मानवाधिकारों के लिए अहिंसक संघर्ष पर एक रोशनी डाली है और ईरान और अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों में सुधार के अपने अथक प्रयासों के आधार पर पुरस्कार साझा करने के लिए बेहद योग्य हैं।

सेराज ने कहा पुरस्कार पाना मेरे लिए और अफगानिस्तान के लिए एक बड़ा सम्मान होगा। उन्होंने कहा यह नामांकन अफगान महिलाओं के सभी बलिदानों और प्रयासों का परिणाम है। आरएफई-आरएल ने बताया कि कई अफगान महिलाओं ने तालिबान के खिलाफ खड़े होने और महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए सेराज की प्रशंसा की है।

भारत-श्रीलंका संबंध प्रधानमंत्री मोदी की 'पड़ोस प्रथम' नीति से दिशानिर्देशित: विक्रमसिंघे और मुरुगन

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और इस देश की यात्रा पर आये सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने यहां शनिवार को कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'पड़ोस प्रथम' की नीति से दिशानिर्देशित हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि विक्रमसिंघे और मुरुगन ने जाफना में मुलाकात की और भारत द्वारा वित्त-पोषित 'कल्चरल सेंटर' श्रीलंका के लोगों को समर्पित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच साझेदारी प्रधानमंत्री मोदी की 'पड़ोस प्रथम नीति' से दिशानिर्देशित हो रही है। यह नीति भारतीय विदेश नीति का एक अभिन्न हिस्सा है। यह भारत के दक्षिण पूर्वी एशियाई पड़ोसी देशों के साथ अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अनुसंधान तथा शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में सौहार्द्रपूर्ण और तालमेल पूर्ण संबंध बनाने पर जोर देता है।

इस अवसर पर विक्रमसिंघे ने कहा, ''यह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिया गया एक तोहफा है। मैं प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देना चाहूंगा। यह भारत-श्रीलंका साझेदारी की एक विशेषता बनी रहेगी।'' प्रधानमंत्री मोदी ने इस केंद्र को एक महत्वपूर्ण पहल बताया है और इस अवसर पर राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की उपस्थिति को सराहा। मोदी ने ट्वीट किया, ''जाफना कल्चरल सेंटर भारत और श्रीलंका के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक सहयोग को दर्शाने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे कई लोगों को फायदा होगा। राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया।''

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, ''मैं 2015 की जाफना की अपनी विशेष यात्रा को नहीं भूलूंगा, जहां मुझे जाफना कल्चरल सेंटर की आधारशिला रखने का अवसर मिला था। इस ट्वीट के साथ उन्होंने अपनी जाफना यात्रा की तस्वीरें भी साझा कीं। इस केंद्र की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2015 में रखी थी। इसमें एक संग्रहालय, 600 से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था वाला एक अत्याधुनिक सभागार और 11 मंजिला 'लर्निंग टावर' जैसी सुविधाएं होंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश में यौन उत्पीड़न के 2 लाख मामले विशेष अदालतों में लंबित

- पास्को अदालतों में सेवानिवृत्त जजों की नियुक्ति

नई दिल्ली। केंद्रीय विधि मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 दिसंबर तक पॉक्सो न्यायालयों सहित अन्य विशेष अदालतों में यौन उत्पीड़न से संबंधित 1,98,208 मामले लंबित थे। विधि मंत्रालय ने सभी राज्यों को जल्द एफटीएससी स्थापित करने और लंबित मामलों का निस्तारण समय सीमा में हो। यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है। महिलाओं और बच्चों के यौन उत्पीड़न के मामलों को रोकने के लिए, 3 साल पूर्व फास्ट्ट्रैक विशेष अदालत गठित करने का निर्णय लिया गया था। इन अदालतों में 1.98 लाख 31 दिसंबर 2022 तक मामले लंबित हैं। विधि मंत्रालय का यह भी कहना है, कि अदालतों में 1.37 लाख से अधिक मामलों का निपटारा भी किया जा चुका है। बलात्कार के मामलों में न्यूनतम दंड 10 वर्ष करने के बाद भी यौन अपराधों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। 12 वर्ष से कम आयु की बच्ची से बलात्कार करने पर मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। उसके बाद भी कम उम्र की बच्चियों के साथ बलात्कार के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार ने अब फास्ट ट्रैक अदालतों की संख्या बढ़ाने तथा संवेदनशीलता के साथ मामलों का निपटारा जल्द से जल्द हो। इसके लिए सेवानिवृत्त जजों की सेवाएं संविदा के आधार पर लेने की छूट भी राज्यों को दी है। यौन अपराधों के मामले में उत्तरप्रदेश सबसे ऊपर बना हुआ है। दूसरे नंबर पर बिहार और तीसरे नंबर पर मध्यप्रदेश है पहले 10 राज्यों में उत्तर प्रदेश में 78238 मामले लंबित हैं वहीं बिहार में 15587 मध्यप्रदेश में 12435 उड़ीसा में 11754 महाराष्ट्र में 8539 तेलंगाना में 7544 केरल में 7213 आंध्र प्रदेश में 7328 गुजरात में 6619 और राजस्थान में 6801 मामले लंबित हैं।

कोविड-19 संक्रमण का यकृत पर पड़ सकता है गहरा प्रभाव : अध्ययन

नई दिल्ली। कोविड-19 संक्रमण श्वसन एवं अन्य अहम अंगों के अलावा यकृत पर गहरा असर डाल सकता है। यहां के एक सरकारी अस्पताल के अध्ययन में यह बात सामने आयी है। बीवाईएल नैयर अस्पताल के जठरांत्र विज्ञान (गैस्ट्रोलॉजी) विभाग के अध्ययन में पाया गया कि जिन मरीजों पर यह अध्ययन किया गया, उनमें करीब आधे में यकृत विकार हो गये। शहर में यह अस्पताल कोरोना वायरस मरीजों के उपचार के लिए चिह्नित मुख्य अस्पतालों में से एक था। यह अध्ययन हाल में 'इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। इस अध्ययन में कहा गया है कि जिन मरीजों को इसमें शामिल किया गया उनमें 46 फीसदी मरीजों को कोरोना वायरस के कारण यकृत संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नैयर अस्पताल के डीन एवं जठरांत्र विज्ञान डॉ. प्रवीण राठी ने कहा, ''इस अध्ययन में पाया गया कि फेफड़े और हृदय की तरह यकृत पर भी कोविड-19 का बहुत असर पड़ा।'' अस्पताल के सहायक प्रोफेसर और जठरांत्र विज्ञानी (गैस्ट्रोलॉजिस्ट) डॉ. संजय चंदनानी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि कोविड-19 के बारे में यह जानकारी है कि यह श्वसन, आंतों, हृदय एवं अन्य अंगतंत्रों पर असर डालता है लेकिन यकृत पर असर संबंधी बहुत कम अध्ययन हैं।

आंध्र प्रदेश : विजाग स्टील प्लांट में गर्म लावा गिरने से नौ मजदूर घायल

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम इस्पात कारखाना में एक 'स्मेल्टिंग इकाई' में शनिवार को गर्म लावा (धातुमल) गिरने से नौ कर्मचारी झुलस गए, जिनमें दो की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना दोपहर करीब साढ़े बारह बजे हुई। उस दौरान कर्मचारीप्लांट के 'स्टील मेल्टिंग शॉप-2' में फंसे हुए पिघले धातुमल को साफ करने की कोशिश कर रहे थे। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि नौ कर्मचारियों पर गर्म लावा गिरने से वे घायल हो गए और सभी घायलों को विशाखा स्टील जनरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। बाद में उन्हें आगे के इलाज के लिए शहर के तृतीयक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उनमें से दो 60 फीसदी तक जल चुके हैं और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों के परिजनों ने प्रबंधन से उन्हें बेहतर इलाज के लिए मुंबई स्थानांतरित करने का अनुरोध किया। घायलों की पहचान अनिल पाहीवाला (डीजीएम), जय कुमार (वरिष्ठ प्रबंधक), ईश्वर नायक (तकनीशियन) और पांडा साहू (चार्जमैन) के रूप में हुई है। बंगाराय्या, सुरीबाबू, अप्पलाराजू, श्रीनिवास और पोथय्या संविदा कर्मचारी हैं। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अतुल भट्ट, आरआईएनएल के निदेशक (वाणिज्यिक) डी. के. मोहंती और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने घायल कर्मचारियों से मिलने के लिए अस्पताल का दौरा किया और उनके परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की। आरआईएनएल विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र की होल्डिंग कॉर्पोरेट इकाई है।

दंतेवाड़ा में नक्सलियों ने पूर्व सरपंच और भाजपा नेता की हत्या की

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में जनप्रतिनिधियों की हत्याओं के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला दंतेवाड़ा में सामने आया है। यहां नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में पूर्व सरपंच की हत्या कर दी है। बता दें कि बीते पांच दिनों में नक्सलियों ने तीन जनप्रतिनिधियों की हत्या की है। मामला बारसूर थाना क्षेत्र के हितामेटा गांव का है। यहां 50 वर्षीय पूर्व सरपंच रामधर आलमी की नक्सलियों ने चाकू मार कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि पूर्व सरपंच पारिवारिक कार्य से नारायणपुर जिले के एक गांव में गया था। तभी नक्सलियों ने रामधर की हत्या कर दी। बता दें कि नक्सलियों ने घटना को अंजाम देने के बाद मौके पर एक पर्चा भी फेंका। जिसमें उन्होंने पूर्व सरपंच पर गोपनीय सैनिक का काम करने, बोदघाट परियोजना में रुपये खाने का आरोप लगाया। इसके अलावा उन्होंने पूर्व सरपंच पर 2017 से पुलिस की सरेंडर पॉलिसी में भी सहयोग करने का आरोप लगाया। नक्सलियों ने पर्चे में लिखा है कि तीन बार चेतावनी देने के बाद भी वह जनविरोधी कार्य कर रहा था, इसलिए पूर्व सरपंच को सजा दी गई है। इस घटना की जिम्मेदारी नक्सलियों ने पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने ली है। वहीं, भाजपा जिला अध्यक्ष चैतराम अटामी ने बताया कि रामधर अलामी भाजपा का कार्यकर्ता था। हम मृतक के गांव जाएंगे। उन्होंने बताया कि नारायणपुर, बीजापुर में भाजपा नेताओं की हत्या के बाद अब दंतेवाड़ा में भी एक जनप्रतिनिधि की नक्सलियों ने हत्या कर क्षेत्र में दहशत फैला दी है।

घुटने में दर्द के कारण शुरुआत में ही भारत जोड़ो यात्रा छोड़ना चाहते थे राहुल गांधी : वेणुगोपाल

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में भारत जोड़ो यात्रा पूरी की है। कांग्रेस नेता शुरुआती दिनों में यात्रा को छोड़ देना चाहते थे। इतना ही नहीं, राहुल गांधी यह भी सोच रहे थे कि क्या उन्हें किसी और को इस यात्रा को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंप देनी चाहिए। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केपीसीसी मुख्यालय में आयोजित एक समारोह के दौरान इस पर विस्तार से बातचीत की। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने राहुल गांधी के दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा भारत जोड़ो यात्रा के शुरुआती दिनों में राहुल गांधी को घुटने की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा था, जिसने उन्हें सोचने पर मजबूर कर दिया कि उन्हें यात्रा छोड़ देनी चाहिए और यात्रा की कमान किसी और को सौंप देनी चाहिए। वेणुगोपाल ने बताया कि यह बहुत नाजुक स्थिति थी। राहुल गांधी की तकलीफ को देखते हुए वह प्रियंका गांधी को यह बताने के लिए मजबूर हो गए थे कि उनके भाई गंभीर दर्द के कारण देशव्यापी पदयात्रा छोड़ रहे हैं। वह यात्रा की कमान कांग्रेस के किसी वरिष्ठ नेता को सौंपना चाहते हैं। केरल के भारत जोड़ो यात्रियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह में केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कन्याकुमारी से यात्रा शुरू होने के तीसरे दिन जब यात्रा केरल में प्रवेश कर रही थी, तब राहुल गांधी के घुटने का दर्द बहुत बढ़ गया था। एक रात, उन्होंने मुझे अपने घुटने के दर्द की समस्या के बारे में बताने के लिए फोन किया। उन्होंने कहा अब उनकी जगह कोई और अब इस यात्रा की कमान संभाले, लेकिन यात्रा रुकनी नहीं चाहिए। इसे पूरा कीजिए। 7 सितंबर 2022 को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई यात्रा के केरल में प्रवेश करने के दौरान हुई घटनाओं के क्रम का जिक्र करते हुए केसी वेणुगोपाल ने कहा राहुल गांधी के बिना यात्रा कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए अकल्पनीय थी। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव ने कहा कि इसके बाद प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी के घुटनों में दर्द की गंभीरता के बारे में बताने के लिए फोन किया। राहुल गांधी द्वारा सुझाए गए एक फिजियोथेरेपिस्ट उनकी मेडिकल टीम में शामिल हो गए और उन्होंने उनका इलाज किया।

बंगाल के जंगलराज से जनता को मिलेगा छुटकारा,

पश्चिम बंगाल में बर्धमान में ममता बनर्जी पर जमकर बरसे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावों के लिए तैयारी करने में जुटी हुई है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस दौरान पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्द्धमान और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में दो रैलियों को संबोधित किया है। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को राज्य के दौरे पर पहुंच गए थे। यहां वो दो दिवसीय दौरे पर है।

बर्धमान में रैली के दौरन जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल की सरकार पर जमकर निशाना साधा और तृणमूल कांग्रेस की सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि बंगाल में बदलाव होगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का 'जंगलराज' खत्म होने वाला है। यहां कोई सुशासन नहीं है। बंगाल में केंद्र द्वारा कई विकास परियोजनाएं शुरू की गईं। हमने लोगों को चावल और गेहूं बांटे लेकिन टीएमसी कार्यकर्ताओं ने राशन का सामान चुरा लिया। उन्होंने कहा कि आज जब मैं यहां मौजूद जन सैलाब देख रहा हूं तो यह जन सैलाब बताता है कि बंगाल में परिवर्तन होने वाला है। ममता राज का जो जंगल राज यहां कायम है उसको बंगाल की जनता अलविदा कहने वाली है। उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जिक्र करते हुए कहा

कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा प्रचारित विचारधारा को पीएम मोदी द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है और इसने बीजेपी को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बना दिया है। जिस विचारधारा को हमने आगे बढ़ाया है और संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से आए हैं जो इस पवित्र भूमि से आए हैं।

अर्थव्यवस्था का किया जिक्र

उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री के राज में जापान को पीछे छोड़ हम तीसरी सबसे बड़ी कार इंडस्ट्री बन गए हैं, हम दुनिया से दवाई लेते थे लेकिन आज दुनिया की फार्मेसी भारत बन गया है। अब श्श्श्द्यद्द के फोन पर भी मेड इन इंडिया लिखा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सुशासन स्थापित करते हुए हमने... लोगों को राहत और ताकत देने का काम किया है। महिलाओं, युवाओं, किसानों, आदिवासियों और दलितों को ताकत और युवाओं की आकांक्षाओं को उड़ान देने का काम आदरणीय मोदी जी ने किया है।

टीएमसी पर जमकर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांव, गरीब, वंचित और पीड़ित को ताकत देने का काम किया है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न उपलब्ध करवाया लेकिन यहां ञ्जरूष्ट के लोगों ने उस पर भी डाका डाला। हम भेदभाव नहीं करते हैं और इस वर्ष के बजट में पश्चिम बंगाल के लिए भी प्राथमिकता के आधार पर धन आवंटित किया है। कोलकाता मेट्रो के लिए 1,000 करोड़ रुपये, चितरंजन कैंसर सेंटर के लिए 15 करोड़ रुपये, सत्यजीत रे फिल्म टेक्नोलॉजी के लिए 63 करोड़ रुपये और आईएसआई के लिए 23 करोड़ रुपये आवंटित किए है। टीएमसी पार्टी के कार्यकर्ता गरीबों और दलितों के लिए बनी चीजों को लूट रहे हैं। महिलाओं पर अत्याचार के मामले में आज बंगाल चौथे नंबर पर है, ऐसिड अटैक के मामले में पहले नंबर पर है।

रैली से पहले की बैठक

सूत्रों ने बताया कि नड्डा ने शनिवार शाम को पश्चिम बंगाल में आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए कोलकाता में पार्टी नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठक की। इससे पहले वह 19 जनवरी को राज्य में आए थे। भाजपा के एक नेता ने कहा कि बंद कमरे में हुई संगठनात्मक बैठक के दौरान नड्डा जी ने राज्य के नेताओं से तृणमूल कांग्रेस के कुशासन के खिलाफ लड़ने को कहा। नड्डा आज पहले पूर्व बर्द्धमान में पूर्वस्थली में काली मंदिर जाएंगे और फिर नजदीक के एक मैदान में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

इसके बाद वह पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी में एक अन्य रैली को संबोधित करेंगे। कांथी विपक्ष के नेता और नंदीग्राम से विधायक शुभेंदु अधिकारी का गृह नगर है। नड्डा के कार्यक्रम देशभर में उन 144 लोकसभा सीटों पर अपने संगठन को मजबूत करने के भाजपा नेतृत्व के 'प्रवास' अभियान का हिस्सा हैं जिन पर पार्टी 2019 के चुनावों में मामूली अंतर से हार गयी थी। अगले कुछ महीनों में नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 12-12 रैलियों को संबोधित करेंगे। बहरहाल, राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने नड्डा के दौरे को ज्यादा तवज्जो नहीं दी।

एनएसए डोभाल ने रुसी राष्ट्रपति पुतिन से की मुलाकात, पाकिस्तान को लग गई मिर्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलने की पाकिस्तान में काफी चर्चा है। बुधवार को एनएसए डोभाल अपनी दो दिवसीय रूस यात्रा पर गए थे, जहां उन्होंने अफगानिस्तान पर सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में हिस्सा लिया। वहीं पाकिस्तान जो अफगानिस्तान के मुद्दे पर खुद को एक बड़ा स्टेकहोल्डर समझता है, इस बैठक से नदारद रहा। इस लेकर राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भारत बड़ी ही सावधानी से अफगानिस्तान में पाकिस्तान की स्थिति को कमजोर कर रहा है। भारत की नीति पाकिस्तान पर भारी पड़ रही है और वहां धीरे-धीरे अलग-थलग नजर आ रहा है।

दरअसल रुस की राजधानी मॉस्को में अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए पांचवीं बैठक बुलाई। इस बैठक में चीन, भारत, ईरान, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान सहित कई देशों को बुलाया गया था।

भारत के एनएसए डोभाल ने बैठक में कहा कि अफगानिस्तान के लोगों की मानवीय जरूरतों को पूरा करना भारत की पहली प्राथमिकता है। डोभाल ने कहा कि अफगानिस्तान मुश्किल दौर से गुजर रहा है और जरूरत की इस घड़ी में भारत अफगानिस्तान के लोगों का साथ कभी नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने अफगानिस्तान को 40,000 मीट्रिक टन गेहूं, 60 टन दवाइयां और पांच लाख कोविड टीके भेजकर उसकी मदद की है।

भारत ने अपने बजट में भी अफगानिस्तान के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। भारत अफगानिस्तान में विकास कार्यों के लिए 2.5 करोड़ डॉलर देगा। अफगानिस्तान पर भारत के इस रुख ने पाकिस्तान को बड़ा नुकसान पहुंचाया है।

इस पूरे घटनाक्रम पर पाकिस्तान के राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं, अफगानिस्तान पर बात करने के लिए क्षेत्रीय देशों के एनएसए की यह पांचवीं बैठक थी। पाकिस्तान को इस बैठक में कितनी खूबसूरती से निकाल दिया गया। आज पाकिस्तान ने इसतरह के हालात बना दिए हैं कि सारे देश मिलकर अफगानिस्तान पर बात कर रहे हैं लेकिन हम नहीं कर रहे। हम अफगानिस्तान में बड़े स्टेकहॉल्डर बने फिरते थे लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

अफगानिस्तान पर चर्चा के लिए पहली क्षेत्रीय देशों के एनएसए की बैठक भारत में बुलाई गई थी, तब भी पाकिस्तान ने इसमें हिस्सा नहीं लिया था। उस वक्त पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ ने भारत आने से इनकार कर दिया था। अब स्थिति ये है कि पाकिस्तान की राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता के बीच एनएसए का पोस्ट ही खाली है। राजनीतिक विश्लेषक ने बताया, दूसरे देशों के एनएसए रूस में मिल रहे हैं। हमें भी एक दफे भारत ने आमंत्रित किया था। यूसुफ ने कहा था कि मैं वहां क्यों जाऊं? भारत ये है, भारत वो है, कहकर बैठक में नहीं गए थे। अब पाकिस्तान में एनएसए की पोस्ट ही खाली पड़ी है, क्योंकि फौज अपनी मर्जी की एनएसए लेकर आती है, नई सरकार में उन्होंने कोई एनएसए नियुक्त ही नहीं किया।

कांग्रेस का वादा 'पांच सितारा मेघालय' की बुनियाद होगा : खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि मेघालय में उनकी पार्टी द्वारा किये गये वादे 'पांच सितारा' राज्य की बुनियाद होंगे। कांग्रेस की मेघालय इकाई ने राज्य में सत्ता में आने पर हर परिवार में एक व्यक्ति के लिए नौकरी, सभी के लिए मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल सुविधा, सभी लड़कियों के लिए 12वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा का वादा किया है। राज्य में 27 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश द्वारा जारी घोषणा पत्र में कांग्रेस ने बीपीएल परिवारों को मुफ्त छत निर्माण सामग्री, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और हर तिमाही में एक मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर देने का भी वादा किया है।

एक ट्वीट में खरगे ने कहा, ''प्यारे मेघालयवासियों, प्रदेश कांग्रेस ने आपके भविष्य के लिए पांच गंभीर वादे किये हैं। हमारा वादा 'पांच सितारा' मेघालय की बुनियाद होगा।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने मेघालय को 'पांच सितारा' राज्य बनाने के पार्टी के पांच वादों का उल्लेख करते हुए कहा, '' महिलाओं का सशक्तीकरण, बिजली कटौती से मुक्त मेघालय, मादक पदार्थ मुक्त मेघालय, बेरोजगार मुक्त मेघालय और भ्रष्टाचार मुक्त मेघालय।'' मेघालय में 60 विधानसभा सीट के लिए 27 फरवरी को मतदान होगा और मतों की गिनती दो मार्च को होगी।

संजय राउत ने कोश्यारी के इस्तीफे पर केंद्र सरकार को घेरा, कहा देर से की गई कार्रवाई

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के प्रवक्ता संजय राउत ने महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के इस्तीफे पर निशाना साधा है। राउत ने कहा कि शिवाजी महाराज और सावित्रीबाई फुले पर कोश्यारी की टिप्पणी के कारण उन्हें पहले ही हटा देना चाहिए था और यही लोगों की मांग थी। झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस को अब महाराष्ट्र का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। संजय राउत ने कहा राज्यपाल बदलना महाराष्ट्र पर एहसान नहीं है। उन्होंने कहा एक साल हो गया है, जब महाराष्ट्र के लोगों ने बीएस कोश्यारी की शिवाजी महाराज और सावित्रीबाई फुले पर टिप्पणी के कारण राज्यपाल बदलने की मांग की थी। राउत ने कहा अब राज्य को एक नया राज्यपाल मिला है, लेकिन यह ज्ञात नहीं है कि उनका नाम बैस है या बायस्ड है। हम नए राज्यपाल का स्वागत करते हैं क्योंकि यह कई वर्षों से महाराष्ट्र के राज्यपाल को बदलने की मांग थी। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा यह इतिहास में दर्ज होगा कि भाजपा और केंद्र सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने वाले राज्यपाल का समर्थन किया था। संजय राउत ने कहा उन्हें उम्मीद है कि नए राज्यपाल संविधान के अनुसार काम करेंगे और राजभवन को भाजपा कार्यालय नहीं बनने देंगे। बता दें कि राष्ट्रपति ने आज ही केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख समेत 12 राज्यपालों और एक उपराज्यपाल के पद पर नियुक्ति के लिए नामों की घोषणा की है।

सपा सांसद जया बच्चन ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को दिखाई उंगली

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सांसद जया बच्चन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो राज्यसभा का है जिसमें जया बच्चन गुस्से में सभापति जगदीप धनखड़ पर उंगली उठाते हुए दिख रही हैं। इस वीडियो को बीजेपी नेताओं सहित कई लोगों ने ट्विटर पर शेयर किया है। साथ ही लोग जया बच्चन के इस व्यवहार की निंदा कर रहे हैं। सपा सांसद जया बच्चन का यह वीडियो 9 फरवरी को राज्यसभा की कार्यवाही का बताया जा रहा है। वीडियो में जया बच्चन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा का संचालन कर रहे सभापति जयदीप धनखड़ पर अंगुली उठाते हुए दिख रही हैं। इसे लेकर सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सलाहकार कंचन गुप्ता ने कहा कि वीडियो ने उन्हें उस समय की याद दिला दी जब यूपीए सत्ता में थी और जया बच्चन ने नेहरू खानदान पर कुछ कठोर टिप्पणी की थी। इसके बाद अमिताभ बच्चन माफी मांगने के लिए दौड़े और एक हाथ से लिखा हुआ बयान जारी किया जो वो राजा हैं हम रंक हैं के साथ समाप्त हुआ। दरअसल पिछले कुछ दिनों से गौतम अडानी पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद देश में जमकर राजनीति हो रही है। विपक्षी दल इसे केंद्र की मोदी सरकार से जोड़ते हुए जांच की मांग कर रही है। इस कड़ी में संसद में हंगामे के बीच कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रजनी पाटिल को सभापति के निर्देशों का उल्लंघन करने के लिए चल रहे बजट सत्र के शेष समय के लिए निलंबित कर दिया गया था।

महाराष्ट्र सरकार वैध और दृढ़, अपना कार्यकाल पूरा करेगी: फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि एकनाथ शिंदे-नीत शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गठबंधन सरकार वैध है और सत्ता में बनी रहेगी। उन्होंने यह टिप्पणी उद्धव ठाकरे-नीत शिवसेना गुट की ओर से मौजूदा सरकार के पतन का पूर्वानुमान लगाए जाने के संदर्भ में की। फडणवीस ने कहा कि जून 2022 में सत्ता में आई मौजूदा सरकार संवैधानिक नियम कायदों के साथ आई है।

उत्तरी महाराष्ट्र के नासिक जिले में राज्य भाजपा की कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि उच्चतम न्यायालय 'हमारे पक्ष' में ही फैसला देगा। उन्होंने यह टिप्पणी शिंदे गुट के 16 विधायकों के खिलाफ शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट द्वारा दायर याचिका के संदर्भ में की। उद्धव ठाकरे-नीत गुट का नाम लिये बिना वरिष्ठ भाजपा ने उन आलोचनाओं को खारिज कर दिया कि सरकार गैर-कानूनी तरीके से बनाई गई है और कई सदस्यों (शिंदे के नेतृत्व वाली बालासाहेबंची शिवसेना) को (उच्चतम न्यायालय द्वारा) अयोग्य ठहराया जाएगा।

फडणवीस ने कहा, ''यह संदेश प्रसारित किया जा रहा है ताकि ठाकरे गुट के बाकी बचे 10-15 विधायक भी बगावत न करें। हमने जो भी किया वह नियमों के अनुसार और संविधान के तहत किया। हमारी सरकार 'गद्दार' नहीं है, बल्कि 'खुद्दार' है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि महा विकास आघाड़ी (नवंबर 2019 से जून 2022) के शासन को भ्रष्टाचार के लिए जाना जाएगा, जिसमें कोई विकास कार्य नहीं हुआ।'' फडणवीस ने कहा, ''पिछली सरकार में एक भी विकास परियोजना नहीं बनी।''

उन्होंने दावा किया कि शिंदे-नीत सरकार न केवल अपना कार्यकाल पूरा करेगी, बल्कि अगले चुनाव में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी। गौरतलब है कि उद्धव ठाकरे-नीत शिवसेना गुट के नेता आदित्य ठाकरे और संजय राउत ने कहा था कि मौजूदा सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकेगी। फडणवीस ने कहा कि शीर्ष अदालत बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने से जुड़े मामले पर 14 फरवरी को सुनवाई शुरू करेगी। उन्होंने कहा, ''हम जनसेवा का 20-20 मैच खेल रहे हैं, जबकि महा विकास आघाड़ी सरकार भ्रष्टाचार का टी-20 मैच खेल रही थी।

कश्मीर के रियासी जिले में मिले लिथियम भंडार की गुणवत्ता बेहतरीन : अधिकारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में मिले देश के पहले लिथियम भंडार के लिथियम की गुणवत्ता सर्वोत्तम है। यह जानकारी एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी। वहीं, ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस खोज से उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने इलेक्ट्रिक वाहन और सोलर पैनल बनाने में अहम धातु लिथियम के 59 लाख टन भंडार का पता रियासी जिले में लगाया है। जम्मू-कश्मीर के खनन सचिव अमित शर्मा ने बताया लिथियम दुर्लभ संसाधनों की श्रेणी में आता है और पहले यह भारत में नहीं मिलता था, जिसकी वजह से हम इसके शत-प्रतिशत आयात पर निर्भर थे। जीएसआई द्वारा किए गए जी-3 (एडवांस) अध्ययन में पता चला है कि माता वैष्णो देवी तीर्थ की तलहटी में बसे सलाल गांव (रियासी जिले) में मौजूद लिथियम भंडार उच्च गुणवत्ता का है।'' उन्होंने बताया कि सामान्य श्रेणी में लिथियम का 'ग्रेड' 220 पार्ट्स पर मिलियन (पीपीएम) का होता है, जबकि जम्मू-कश्मीर में मिले भंडार का लिथियम 550 पीपीएम से अधिक ग्रेड का है और यह भंडार करीब 59 लाख टन है जो लिथियम की उपलब्धता के मामले में चीन को पीछे छोड़ देगा। उन्होंने कहा भारत इस खोज के साथ उन देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास लिथियम है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को पूरा करेगा। शर्मा ने कहा कि लिथियम का विस्तृत इस्तेमाल है और भारत की जी-20 की अध्यक्षता के समय इसकी खोज जम्मू-कश्मीर को अपने समृद्ध भंडारों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगा। खनन शुरू होने की समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर खनन सचिव ने कहा कि प्रत्येक परियोजना अपना समय लेती है। उन्होंने कहा हमने जी-3 का अध्ययन किया है, धातु का खनन शुरू करने से पहले जी-2 और जी-1 अध्ययन होगा। इस खोज को लेकर ग्रामीण भी बहुत उत्साहित हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

138 वें RTI वेबिनार में डेटा बिल के दुष्प्रभावों पर हुई चर्चा

यदि प्रस्तावित डेटा बिल पास हुआ तो इन जानकारियों से होना पड़ेगा दूर

RTI कानून को ब्यूरोक्रैटिक सूचना आयुक्तकर रहे खोखला

पार्टिसिपेंट्स ने किए सवाल तो विशेषज्ञों ने दिए जवाब

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रस्तावित डेटा बिल के दुष्प्रभावों को लेकर एक बार पुनः 138 वें राष्ट्रीय सूचना के अधिकार वेबीनार में चर्चा का दौर गर्म रहा। उपस्थित विशेषज्ञों और आरटीआई के क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों पर जमकर प्रहार किया। उपस्थित आरटीआई कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकार डेटा बिल के माध्यम से जो प्रस्तावित मसौदा लाने वाली है उसे सूचना के अधिकार कानून खोखला हो जाएगा।

यदि डेटा बिल प्रस्तावित मसौदे में पास हुआ तो महत्वपूर्ण और सामान्य जानकारियों से भी हो जाएंगे दूर - शैलेश गांधी

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पधारे पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सूचना के अधिकार कानून को लाने के लिए हम लोगों ने काफी मशक्कत की है और मजदूर किसान शक्तिसंगठन सहित अन्य लोगों के साथ मिलकर हमने जो सूचना का अधिकार कानून लाया है अब सरकार सूचना के अधिकार कानून को विभिन्न स्तर पर कमजोर करना चाह रही है। पहले सरकार ने कई अमेंडमेंट लाए जिसमें सूचना आयुक्तके कार्यकाल और टेनर पर प्रहार किया और बदलाव किया गया। और अब प्रस्तावित डेटा बिल के माध्यम से आरटीआई कानून की धारा ८(१)(जे) हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निजता के नाम पर आम जनता से जुड़ी हुई कई सामान्य जानकारी जैसे राशन कार्ड, राशन मिलने संबंधी

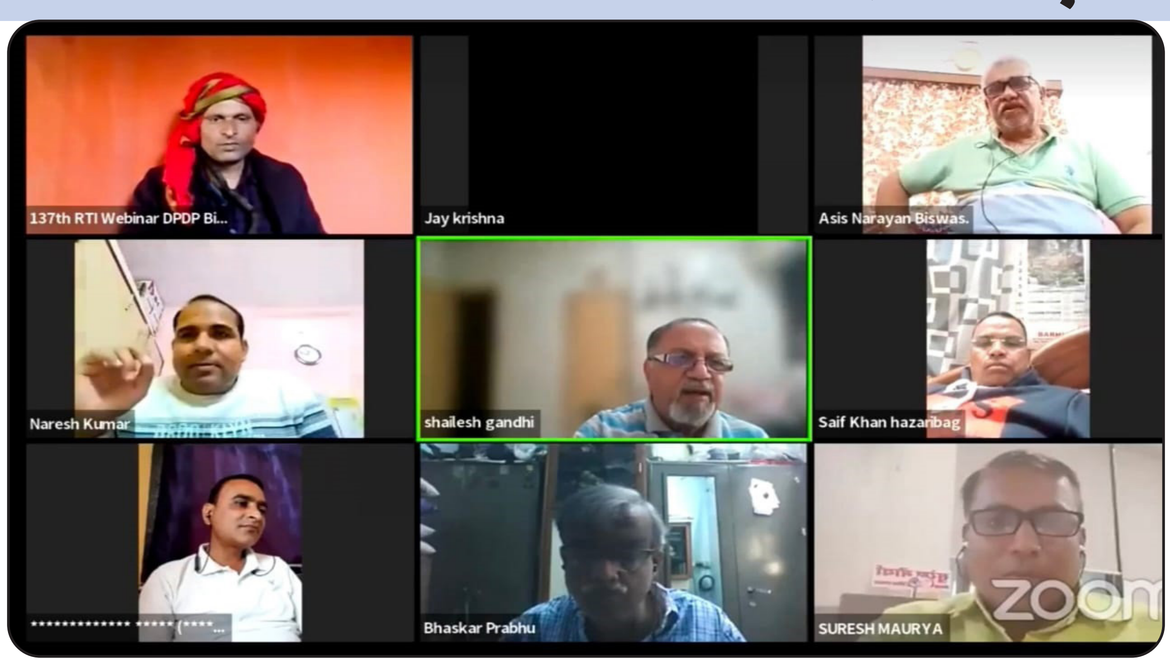

जानकारी, मजदूरों की मजदूरी से संबंधित मस्टररोल, आम नागरिक के पेंशन की जानकारी से लेकर शासकीय कामकाज की जानकारी मिलना मुश्किल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मात्र ५ प्रतिशत लोगों को लाभ देने के उद्देश्य से ९५ परसेंट देश की आम जनता के साथ धोखा किया जा रहा है। हम सामान्य तौर पर जो जानकारी हासिल कर लेते थे अब डेटा प्रोटेक्शन बिल के नाम पर वह हमे नहीं मिल पाएगी। उन्होंने कहा कि देश के समस्त नागरिकों और आरटीआई से जुड़े हुए लोगों को अभियान चलाना चाहिए और लोगों को अधिक से अधिक जोड़कर आरटीआई कानून की विशेषता बताते हुए डाटा बिल के माध्यम आर टी आई कानून को खत्म करने का सरकार का जो प्रयास है उसके बारे में आम जनता को अवगत कराएं।

सूचना के अधिकार कानून को लाने में पत्रकारों की भूमिका अहम - आत्मदीप

पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने कहा कि मजदूर किसान शक्ति संगठन और नेशनल कैंपेन फॉर राइट टू इनफार्मेशन जैसे संगठनों के दौर में भी पत्रकारों की भूमिका बहुत अहम रही है। उन्होंने पुरानी यादों को ताजा करते हुए कहा कि प्रभाष जोशी एक ऐसे पत्रकारों में से रहे हैं जिन्होंने आरटीआई कानून के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया हुआ था। जब उन्होंने और अन्य पत्रकारों ने अपनी लेखनी के माध्यम से भी सूचना के अधिकार के महत्व को रेखांकित करते हुए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला था और तब जाकर हमें महत्वपूर्ण सूचना का अधिकार कानून प्राप्त हुआ है। लेकिन आज कल जो पत्रकारिता चल रही है वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और पत्रकारों को आरटीआई के विषय में कलम चलाने का समय नहीं मिल रहा है।

पत्रिका अखबार में एक दौर था जब आरटीआई पर रोजाना आर्टिकल छपते थे - कैलाश सनोलिया

मध्यप्रदेश से अधिमान्य पत्रकार कैलाश सनोलिया ने कहा कि एक दौर था जब पत्रिका अखबार में प्रतिदिन फ्रंट पेज पर आरटीआई और सूचना के अधिकार से संबंधित आवेदन से लेकर अपील तक कैसे करें और किस विभाग से क्या जानकारी प्राप्त करें इस विषय में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए फ्रंट पेज पर आर्टिकल छपता था। आरटीआई से संबंधित समाचारों को प्रमुखता दी जाती थी और अखबार और पत्रकार इस विषय को काफी गंभीरता से लेते थे लेकिन आज वह समय आ गया है जब हम न्यूज़ बना कर भी देते हैं तो भी अखबारों में आरटीआई से संबंधित समाचार कम छपती है। इसी का लाभ उठाते हुए सरकारें जनता के सबसे महत्वपूर्ण पारदर्शिता के कानून आरटीआई पर प्रहार करते हुए उसे संशोधित करना चाह रही है। उन्होंने कहा इस विषय पर जनता को आवाज उठानी पड़ेगी और जब जनता आवाज उठाएगी तो स्वाभाविक तौर पर पत्रकार वहां पर जाएंगे और उस खबर को छापेंगे। कहीं न कहीं इसके लिए जनता भी जिम्मेदार है।